घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 17- सोमवार 17- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

बहन रोहिणी के अपमान पर भड़के तेज प्रताप,बोले...इस अन्याय का परिणाम बेहद भयावह होगा

पटना,16 नवम्बर 2025। राजद सुप्रीमो सीएम लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने बहन रोहिणी आचार्य से जुड़े विवाद पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने कहा कि मेरी बहन का अपमान किसी भी हाल में असहनीय है। सुन लो जयचंदों परिवार पर वार करोगे तो बिहार की जनता तुम्हें कभी माफ नहीं करेगी। तेज प्रताप यादव ने राजद प्रमुख लालू यादव से आग्रह करते हुए कहा कि आपका केवल एक इशारा और बिहार की जनता इन जयचंदों को जमीन में खुद गाड़ देगी। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की करारी हार के बाद लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भाई तेजस्वी यादव पर कई गंभीर आरोप लगाए। रोहिणी ने बताया है कि उन्हें पीटने के लिए चप्पल तक उठाई गई। रोहिणी के आरोप पर भाई तेज प्रताप ने सोशल मीडिया के माध्यम से जवाब दिया है। जनता दल जनता (जेजेडी) प्रमुख तेज प्रताप ने अपने पार्टी के इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, ''कल की घटना ने दिल को भीतर तक झकझोर दिया है। मेरे साथ जो हुआ, वह मैं सह गया, लेकिन मेरी बहन के साथ जो अपमान हुआ,वह किसी भी हाल में असहनीय है। सुन लो जयचंदोंपरिवार पर वार करोगे तो बिहार की जनता तुम्हें कभी माफ नहीं करेगी। 'उन्होंने लिखा,'जबसे मेरी रोहिणी बहन के चप्पल उठाने की खबर सुनी, दिल की आहत अब अग्नि बन चुकी है। जब जनमानस की भावनाएं आहत होती हैं तो बुद्धि पर पड़ी धूल उड़ जाती है। इन चंद चेहरों ने तेजस्वी की भी बुद्धि पर परदा डाल दिया है। इस अन्याय का परिणाम बेहद भयावह होगा। समय का लेखा-जोखा बड़ा कठोर है।

अमृतसर में हथियार व नार्को नेटवर्क का पर्दाफाश,छह पिस्तौलों व एक किलो हेरोइन के साथ पांच गिरफ्तार

चंडीगढ़,16 नवम्बर 2025। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने पांच व्यक्तियों को 1.01 किलोग्राम हेरोइन और छह आधुनिक पिस्तौलों सहित गिरफ्तार करके पाकिस्तान से जुड़े हथियार एवं नार्को नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि अमृतसर ग्रामीण के पंडोरी गांव निवासी अकाश मसीह और प्रिंस, चौगांवां गांव निवासी करनबीर सिंह उर्फ करन हेतमपुरा गांव निवासी सुखविंदर सिंह और तरनतारन जिले के लाहियां गांव निवासी गुरभेज सिंह उर्फ भेजा को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से पांच .30 बोर की और एक 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किये गये आरोपित पंजाब में अवैध हथियार और नशीले पदार्थ प्राप्त करने और उनकी डिलीवरी करने के लिए सोशल मीडिया ऐप्लिकेशनों के जरिए पाकिस्तान-आधारित संचालकों से तालमेल कर रहे थे।

फरीदाबाद में ट्रेन में बम की सूचना पर पुलिस अलर्ट

नूंह से अल-फलाह यूनिवर्सिटी का इलेक्ट्रिशियन समेत 2 पकड़े,आतंकियों को करते थे फंडिंग

फरीदाबाद,16 नवम्बर 2025। दिल्ली ब्लास्ट के बाद फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी के डॉ. उमर नबी और डॉ. मुजम्मिल से जुड़े 200 लोग एजेंसियों की रडार पर हैं। रविवार को पुलिस ने नूंह शहर की हयात कॉलोनी से 2 लोगों को हिरासत में लिया है। इनके नाम रिजवान और शोएब है। शोएब यूनिवर्सिटी में इलेक्ट्रीशियन है। दोनों पर आतंकी मामले में फंडिंग करने का आरोप है। जांच में नूंह के दो नेताओं के नाम भी सामने आए हैं। फरीदाबाद में पुलिस को स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस में सवार एक यात्री के पास बम की सूचना मिली। टीमों ने तुरंत ट्रेन को चारों ओर से घेर लिया। पुलिस ने ट्रेन से संदिग्ध को पकड़कर तलाशी ली। उसके पास खाने-पीने का सामान और अमरूद मिले। उसकी पहचान बिहार के मधुबनी निवासी सुशील सैनी के तौर पर हुई। वह फल मंडी में काम करता है। तलाशी के बाद पुलिस ने उसे छोड़ दिया। उधर,काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर ने रोहतक की जनता कॉलोनी की रहने वाली डॉ. प्रियंका शर्मा को हिरासत में लिया है। टीम ने नौगाम ब्लास्ट मामले की जांच के सिलसिले में डॉ. खालिद अजीज टाक के मलकनाग इलाके में स्थित घर पर देर रात छापेमारी की थी। डॉ. प्रियंका शर्मा अक्टूबर 2023 से इस घर में किराए पर रह रही है। प्रियंका एमबीबीएस पासआउट है और फिलहाल जीएमसी अनंतनाग में जनरल मेडिसिन के फाइनल ईयर की स्टूडेंट है। प्रियंका के पति का नाम अनिरुद्ध कौशिक है।

फरीदाबाद की 140 मस्जिदों में चेकिंग

फरीदाबाद क्राइम ब्रांच और स्थानीय थानों की पुलिस पिछले 4 दिनों से अपने-अपने इलाकों में तलाशी अभियान चला रही हैं। इस ऑपरेशन में अभी तक 140 मस्जिद-मदरसों की जांच की गई है। मस्जिदों में नमाज अदा कराने वाले इमामों का रिकॉर्ड चेक किया गया। इसके साथ ही,मदरसों में तालीम लेने वाले बच्चे कहां के रहने वाले हैं और वे कब से मस्जिद में आ रहे हैं, इस बारे में पूरी जानकारी दर्ज की जा रही है। फरीदाबाद में छोटी-बड़ी लगभग एक हजार मस्जिदें हैं।

दवाओं के लिए मुजम्मिल से संपर्क में था इमाम

अल फलाह यूनिवर्सिटी में बने मेडिकल में इलाज के लिए सिरोही की मस्जिद के इमाम इमामुद्दीन मेडिकल जाते थे। उनके बेटे मुहम्मद जुनैद ने बताया कि उनके पिता को पुलिस सिर्फ जांच के लिए लेकर गई है। मोहम्मद जुनैद ने बताया कि उनका परिवार पिछले 20 साल से यहां रह रहा है और नजदीक में अल फलाह यूनिवर्सिटी का मेडिकल है।

दिल्ली में ब्लास्ट हुई कार का मालिक गिरफ्तार

दिल्ली ब्लास्ट केस में एनआईए ने रविवार को आतंकी उमर के साथी आमिर राशिद अली को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। इसने उमर के साथ मिलकर दिल्ली ब्लास्ट की साजिश रची थी। आई20 कार आमिर के नाम पर ही रजिस्टर्ड थी। वहीं आतंकी डॉ. उमर नबी से जुड़े कुछ लोगों को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हिरासत में लिया है। उसने पूछताछ में सामने आया है कि डॉक्टरों वाला ये व्हाइट कॉलर मॉड्यूल पिछले साल ही एक सुसाइड बॉम्बर की तलाश में था। इसका जिम्मा डॉ. उमर पर ही था। वहीं मॉड्यूल के एजेंडे को लगातार आगे बढ़ा रहा था। उमर का मानना था कि मॉड्यूल में एक सुसाइड बॉम्बर का होना जरूरी है। अधिकारियों ने बताया हिरासत में काजीगुंड का जसीर उर्फ दानिश भी है। उसके मुताबिक अक्टूबर 2023 में कुलगाम की एक मस्जिद में उसकी डॉक्टरों वाले इस टेरर मॉड्यूल से मुलाकात हुई थी। इसके बाद उसे फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी ले जाया गया,जहां किराए के कमरे में उसे रखा गया। मॉड्यूल चाहता था कि वह ओवर-ग्राउंड वर्कर बने, लेकिन उमर ने उसे कई महीनों तक सुसाइड बॉम्बर बनने के लिए ब्रेनवॉश किया। मॉड्यूल की प्लानिंग इसलिए फेल हुई क्योंकि जसीर ने आर्थिक स्थिति खराब होने और इस्लाम में आत्महत्या हराम होने का हवाला देकर सुसाइड बॉम्बर बनने से इनकार कर दिया था। दिल्ली में सुभाष मार्ग सिग्नल पर 10 नवंबर को हुए ब्लास्ट में 13 लोग मारे गए थे।

रालोद के राष्ट्रीय अधिवेधन में जयंत चौधरी फिर चुने गए राष्ट्रीय अध्यक्ष

मथुरा,16 नवम्बर 2025। उत्तर प्रदेश की कान्हा नगरी मथुरा के कोसीकलां में राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अधिवेशन में केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष फिर चुन लिया गया है। इसकेअलावा अधिवेशन में राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक प्रस्ताव भी रखो गए। रालोद के उत्तर प्रदेश के प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने रविवार को बताया कि रालोद के राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों और उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से चुना गया है। रालोद का यह निर्णय भाईचारा, एकता, समानता और अधिकार आधारित राजनीतिक सोच को और मजबूत करता है। राष्ट्रीय अधिवेशन में जयंत चौधरी को फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के निर्णय को लेकर प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कहा कि इस फैसले से रालोद की वैचारिक दिशा को वो मजबूती मिली है। जो भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की किसान केंद्रित नीतियों और सामाजिक न्याय पर आधारित राजनीतिक सोच तथा चौधरी अजीत सिंह की आधुनिक, प्रगतिशील और जनहितकारी दृष्टि ने वर्षों से समाज के सामने रखी।

राजस्थान : ट्रक-टेम्पो की टक्कर में 6 श्रद्धालुओं की मौत

रामदेवरा दर्शन करने जा रहे थे,12 लोग घायल,सभी जोधपुर रेफर

जोधपुर,16 नवम्बर 2025। राजस्थान के जोधपुर में ट्रक और टेम्पो की टक्कर में 6 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि बच्चों समेत 12 लोग घायल हैं। घायलों को पहले बालेसर के सरकारी हॉस्पिटल ले जाया गया,जहां से जोधपुर के मथुरा दास माथुर हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया गया। सभी गुजरात के साबरकांठा से रामदेवरा दर्शन करने जा रहे थे। हादसा जोधपुर-जैसलमेर नेशनल हाईवे-125 पर बालेसर (जोधपुर) के पास खारी बेरी गांव में रविवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे हुआ। टेम्पो में आगे बैठे महेंद्र ने बताया कि टेम्पो सवार सभी लोग गुजरात के साबरकांठा से रामदेवरा जा रहे थे। टेम्पो में महिलाओं और बच्चों समेत करीब 20 लोग सवार थे। खारी बेरी गांव में हादसा हुआ। टेम्पो सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो लोगों ने जोधपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। हादसे में गुजरात के साबरकांठा के रहने वाले 7 बच्चों समेत 12 लोग घायल हो गए। घायलों में महेंद्र सिंह (35) पुत्र जवान सिंह मकवाना, कालूसिंह (32) पुत्र हिम्मत सिंह परमार, हिम्मत सिंह (60) पुत्र राज सिंह परमार, किशाभाई (25) पुत्र भीखा भाई वारन्ध, अनुराधा (12), वीरा (10), उमा (14), आराधना (15), हनी (8), निकिता (14), आशिक (10), अर्जुन (20) शामिल है। सभी घायलों का इलाज जोधपुर के एमडीएम अस्पताल में जारी है। मृतकों में 4 बच्चे भी शामिल हैं। इसके अलावा कोकिला (58) पत्नी कालूसिंह परमार निवासी रुगनाथपुरा, साबरकांठा, प्रिया (14) पुत्री तारु सिंह परमार निवासी रघुनाथपुरा, साबरकांठा की पहचान हो गई है। बाकी शवों की पहचान नहीं हो पाई है।

73 साल बाद एक और ऐतिहासिक क्षण,इतिहास दोहराने की तैयारी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलना चाहते हैं बसंत पंडो

73 साल का इंतजार...जब जंगल की झोपड़ी में बैठे एक राष्ट्रपति ने 'गोलू' को बसंत बना दिया था...

- आज वही 80 साल का बसंत राष्ट्रपति से दोबारा मिलने की आस लगाए बैठा है...
- 72 साल बाद सरगुजा में दूसरी बार हो रहा राष्ट्रपति का आगमन,बसंत पंडो उनसे मिलना चाहता है...
- 1952 में आये थे राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद,2025 में होगा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आगमन...
- जब सरगुजा आए थे राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रपति ने पण्डो जनजाति को बनाया दत्तक पुत्र...
- छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में भी है राष्ट्रपति भवन
- राष्ट्रपति से मिल कर उन्हें पंडो जनजाति की स्थिति से अवगत कराना चाहता है पंडो समाजःउदय पंडो

ओंकार/राजन पाण्डेय

कोरिया/सूरजपुर,16 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। देश के पहले राष्ट्रपति और वर्तमान राष्ट्रपति दोनों का सरगुजा आना पंडो जनजाति के लिए युगांतकारी घटनाएं हैं. 80 वर्षीय बसंत पंडो खुद चलकर राष्ट्रपति से कहना चाहते हैं '1952 में आपके पहले राष्ट्रपति ने मुझे गोद लिया था, आप भी हमारी पीड़ा सुनें पंडो जनजाति को न्याय दिलाएँ।' पूरे पंडो समाज की अब नज़रें 20 नवंबर पर टिकी हैं। बता दे की सरगुजा का इतिहास एक बार फिर 73 साल बाद खुद को दोहराने जा रहा है। 1952 में सरगुजा पहुंचे थे देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद, और 2025 में आ रही हैं देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू,तभी के तरह आज भी पूरा सरगुजा आदिवासी समाज उत्साहित है। लेकिन इनमें सबसे ज्यादा भावुक है बसंत पंडो,वह शख्स जिसे आठ साल की उम्र में राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने गोद लिया था, नामकरण किया था और आज वह 80 वर्ष के हैं,बसंत पंडो की एक ही इच्छा है 'मैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलना चाहता हूँ। '

'वो दिन आज भी मेरी पलकों पर बैठा है...

'-बसंत पंडो की आवाज़ कांपती है,लेकिन उसके भीतर की यादें आज भी बिल्कुल साफ हैं'जब राष्ट्रपति जी आए थे...मुझे अपनी गोद में उठाया...नया शर्ट-पैंट पहनाया...और बोले आज से इसका नाम बसंत लाल, मेरा नामकरण उन्होंने किया...उन्होंने मुझे अपने दत्तक पुत्र जैसा प्यार दिया,'गोलू उस दिन राष्ट्रपति की गोद में बैठा हुआ खुद को दुनिया का सबसे भाग्यशाली बच्चा समझ रहा था। जंगलों में रहने वाले पंडो समाज के लिए वो दिन किसी सपने जैसा था। जैसे सदियों की उपेक्षा अचानक सम्मान में बदल गई हो।

लेकिन किस्मत की राह ने मोड़ बदला...

बसंत आज भी यह कहते हुए भर आता है'वे मुझे अपने साथ ले जाना चाहते थे...बोला भी था अधिकारियों से...पर मुझे जाने नहीं दिया गया, अगर मैं चला गया होता,तो मेरा जीवन शायद कुछ और ही होता...' यह कहकर बसंत कुछ पल के लिए चुप हो जाता है, जंगल की हवा में एक लंबी सांस गूंजती है, उसके शब्दों में एक अनकही कसक,एक अधूरा अपनापन और एक खोया अवसर झलकता है।

1952 की उस मुलाकात ने पंडो समाज के दिल में उजाला जलाया था...

जब डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने बसंत को गोद लिया, पंडो समाज को बैल, बैलगाड़ी, बीज और जमीन दी गई, 13 नई बसाहटें बनीं,जंगल के अंधेरों में पहली बार 'सरकार' दिखी थी वो भी सीधे राष्ट्रपति की ओर से, लेकिन 73 साल बीत जाने के बाद भी पंडो जनजाति आज भी वही संघर्ष झेल रही है,सड़क नहीं, पानी नहीं, रोजगार नहीं...और तो और जाति प्रमाण-पत्र तक नहीं।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने झोपड़ी में बैठकर किया था नामकरण-साल 1952,सरगुजा का ऐतिहासिक दौरा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद रघुनाथ पैलेस से निकलकर जंगलों में रहने वाले पंडो जनजाति से मिलने पहुंचे थे। एक साधारण झोपड़ी में बैठकर उन्होंने पंडो परिवारों से बातचीत की। उसी दौरान 8 वर्षीय 'गोलू' को अपनी गोद में उठाया और कहा 'आज से इसका नाम बसंत लाल होगा। 'यह सिर्फ नामकरण नहीं था उन्होंने बसंत पंडो को दत्तक पुत्र घोषित किया,बसंत पंडो याद करते हुए कहते हैं '**राष्ट्रपति ने मुझे गोद लिया, नया कपड़ा पहनाया,साथ ले जाने को कहा, लेकिन अधिकारी मुझे ले नहीं गए। आज सोचता हूं..अगर मैं उनके साथ चला गया होता तो मेरा जीवन कुछ और होता।**'

राष्ट्रपति भवन अब भी सूरजपुर में लेकिन उपेक्षित-डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने सूरजपुर में रात बिताई थी...

उसी स्थान को आज भी 'राष्ट्रपति भवन' कहा जाता है, कई बार इसे पर्यटन स्थल बनाने की मांग उठी,पट्टे की मांग भी हुई,लेकिन आजतक इस जगह का विकास नहीं हो सका,3 दिसंबर, 26 जनवरी और 15 अगस्त को यह भवन खोला जाता है,जहां लोग दूर-दूर से इतिहास देखने आते हैं,जिसके बाद वो यहां उतरे और तत्कालीन सरगुजा महाराज से मिलकर पंडो जनजाति के विकास के लिए उन्हें दत्तक पुत्र बनाया और एक रात वहीं विश्राम किए. इसलिए इस जगह को 'राष्ट्रपति भवन' का नाम दिया गया जिसे छत्तीसगढ़ का 'राष्ट्रपति भवन' भी कहा जाता है, राष्ट्रपति भवन को पर्यटन स्थल के रुप में विकसित करने की मांग लगातार पंडो समाज के लोगों के द्वारा की जाती रही है आज भी यहां 'राष्ट्रपति भवन' में काफी लोग निवास करते हैं, ये भवन राष्ट्रपति के जन्मदिन यानी 3 दिसंबर,26 जनवरी और 15 अगस्त के दिन खुलता है और इसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं. लिहाजा पंडो जनजाति ने कई बार पट्टे और इस जगह को पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित करने की मांग की, लेकिन आज तक इस जगह को विकसित नहीं किया गया है।

सरगुजा महाराजा रामानुज शरण सिंहदेव के साथ राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद

'बसंत पंडो की राष्ट्रपति से मुलाकात सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं,पूरे समाज की उम्मीद'

उदय पंडो-पंडो समाज के प्रदेश अध्यक्ष उदय पंडो ने सबसे भावुक प्रतिक्रिया दी, उन्होंने कहा 80 वर्षीय बसंत पंडो वह व्यक्ति हैं जिन्हें देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने गोद लिया था, राष्ट्रपति मुर्मू के आगमन की खबर सुनकर वे खुशियों से भर गए हैं, उनकी इच्छा है कि जिला प्रशासन उन्हें राष्ट्रपति से मिलवाए, उदय पंडो ने कहा कि बसंत पंडो की मुलाकात सिर्फ इतिहास का सम्मान नहीं होगी, बल्कि पंडो समाज के लिए यह एक बड़ा संदेश भी देगी 'यदि मुलाकात होती है, तो हम सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर और अन्य जिलों में पंडो समाज के विकास, सुविधाओं की बढ़ोतरी और विशेष योजनाओं की मांग राष्ट्रपति महोदया के सामने रखेंगे।'

'हजारों पंडो आज भी जाति प्रमाण-पत्र से वंचित'

पवन साय पंडो-पंडो समाज के प्रांतीय सचिव पवन साय पंडो ने कहा कि पंडो समाज की सबसे बड़ी और दर्दनाक समस्या जाति प्रमाण पत्र है, उन्होंने कहा 'हमारे पूर्वज जंगलों में रहते थे, जमीन के कागजात नहीं थे, इसी वजह से आज हजारों लोगों की जाति नहीं बन पा रही है। ग्राम सभा के प्रस्ताव पर जाति बनाने का राज्य सरकार का आदेश तो है, लेकिन प्रशासन उसका पालन ही नहीं कर रहा। यह अन्याय अब खत्म होना चाहिए।' पवन साय पंडो ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से जाति प्रमाण पत्र की समस्या का स्थायी समाधान, पंडो विकास प्राधिकरण की स्थापना जैसी मांगें रखने की बात कही।

'ओड़गी-बिहारपुर क्षेत्र का उद्धार जरूरी'

एम.एल. पंडो-समाज के सह-सचिव एम.एल. पंडो ने कहा कि पंडो बहुल क्षेत्र आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहा है, 'बैजनपाठ, बिहारपुर, ओड़गी जैसे इलाकों में पंडो जनजाति को सड़क, बिजली, पानी तक का पूरा लाभ नहीं मिल रहा। रोजगार के अवसर लगभग शून्य हैं। यदि पंडो समाज के उत्थान की बात करनी है, तो इन क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाना होगा। सरकार पंडो समाज के लिए सीधी भर्ती प्रक्रिया शुरू करे।'

राष्ट्रपति भवन पंडो नगर

प्रवेश द्वार राष्ट्रपति भवन पंडो नगर जिला सूरजपुर

पंडो नगर की स्थिति

पंडो जनजाति को बसाया गया, पर उत्थान आधा ही रह गया...

1952 में बसंत पंडो को गोद लिए जाने के बाद शासन ने पंडो जनजाति के विकास हेतु बैल, बैलगाड़ी, बीज, खेती के लिए जमीन मंजूर की थी, 13 बसाहटें स्थापित की गईं, लेकिन 73 साल बाद भी पंडो समाज बुनियादी सुविधाओं, रोजगार, शिक्षा और प्रमाण-पत्र जैसे सबसे मूल अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है।

पंडो समाज की प्रमुख मांगें

- पंडो जनजाति के जाति प्रमाण-पत्र का स्थायी समाधान
- पंडो विकास प्राधिकरण का गठन
- पंडो बहुल क्षेत्रों में सड़क,बिजली,पानी,आवास
- विशेष भर्ती अभियान से रोजगार
- राष्ट्रपति भवन (सूरजपुर) को पर्यटन स्थल का दर्जा

संपादकीय

गलत परंपरा

सुप्रीम कोर्ट में अकोला दंगे की जांच को लेकर जजों में मतभेद है। कोर्ट ने पहले जांच दल में धर्म के आधार पर अफसरों की नियुक्ति का आदेश दिया था। महाराष्ट्र सरकार ने इसे चुनौती दी। अब इसी आदेश की समीक्षा पर जजों की राय अलग है। यह मामला एक नई परंपरा की शुरुआत कर सकता है।

किसी मामले में सुप्रीम कोर्ट की बेंच के बीच सहमति न बनना कोई असामान्य बात नहीं है,लेकिन अकोला सांप्रदायिक दंगों का केस जिस तरह से आगे बढ़ रहा है, वह असामान्य है। यह पहला मामला होगा जहां देश की शीर्ष अदालत की एक बेंच ने किसी जांच दल में धर्म के आधार पर अफसरों की तैनाती का आदेश दिया और अब उसकी समीक्षा के सवाल पर पर उसके जजों में एक राय नहीं है।

पुलिस की लापरवाही । 2023 के अकोला दंगे से जुड़े एक मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की तो अदालत का दरवाजा खटखटाया गया। 11 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने पाया कि पुलिस ने वाकई लापरवाही बरती है और आदेश दिया कि एक एसआईटी का गठन किया जाए, जिसमें हिंदू और मुस्लिम - दोनों संप्रदायों के पुलिस अफसर हों।

महाराष्ट्र सरकार ने इस आदेश को यह कहते हुए चुनौती दी कि पुलिस बल धर्मनिरपेक्ष संस्था है और धार्मिक आधार पर नियुक्ति से खतरनाक परंपरा स्थापित होगी। अहम बात यह है कि जिन दो न्यायाधीशों ने यह आदेश दिया था, वे भी पुनर्विचार याचिका पर एक दूसरे से असहमत हैं। एक न्यायाधीश ने पुनर्विचार याचिका को स्वीकार कर लिया, जबकि दूसरे ने इसे खारिज कर दिया।

पुनर्विचार याचिका को लेकर दोनों न्यायाधीशों के अपने तर्क हैं, लेकिन बड़ा सवाल मूल फैसले का है। एसआईटी गठित करने का आदेश देते हुए सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी थी कि जब पुलिस अधिकारी वर्दी पहनते हैं, तो उन्हें अपने व्यक्तिगत और धार्मिक झुकावों व पूर्वाग्रहों को पीछे छोड़ देना चाहिए। यह बात सौ फीसदी सही है। लेकिन, फिर धार्मिक आधार पर तैनाती का आदेश देकर अदालत ने एक तरह से इसी भावना को तोड़ दिया। जब तैनाती का आधार धर्म होगा, तो यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि कार्यप्रणाली में उसका असर नहीं दिखेगा।

वैसे यह समझना भी जरूरी है कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के इरादे को गलत नहीं कहा जा सकता। चूंकि दंगों से निपटने में पुलिस की भूमिका को अदालत ने सही नहीं पाया, इसीलिए जांच में पूर्ण निष्पक्षता सुनिश्चित करने के इरादे से यह फैसला दिया गया लगता है। लेकिन वजह चाहे जो भी हो, जांच दल में धर्म के आधार पर चयन एक गलत परंपरा की शुरुआत होगी। उम्मीद है कि शीर्ष अदालत इस मामले को सही अंजाम तक पहुंचाएगी।

थर्ड क्लास शब्द का जन्म कैसे हुआ?

होली के दिन दो परम ज्ञानी मित्रों के मध्य अपने हमउम्र गुरु को लेकर संवाद चल रहा था वे उनकी जीवन शैली की प्रासंगिकताओं में त्रिसंध्या में किसी जप मंत्र के समय करन्यास प्रक्रिया में उँगलियो के परिचालन की किसी त्रुटि को लेकर उसे थर्ड क्लास आचार्य कह रहे थे, मुझे इन साधकों के बीच अपने योग्य गुरु के समक्ष इस त्रुटि को रखे जाने ओर समाधान तलाशने की बजह उनकी अनुपस्थिति में निरादर स्वरूप उपयोग किए थर्डक्लास ने सम्मोहित कर इस शब्द के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न कर इन्हे इनकी उस अनुशासनहीन अभिव्यक्ति के लिए क्षमा कर दिया। क्षमा नहीं भी करू तो कोई आसमान नही टूट पड़ेगा?

गुलाम भारत में थर्ड कलास शब्द की गूंज दक्षिण अफ्रीका से वर्ष

आत्माराम यादव पीव
नर्मदापुरम मध्यप्रदेश

1904 में एक ट्रेन में यात्रा कर रहे मोहनदास करमचंद गांधी को डरबन स्टेशन से जोहान्सबर्ग स्टेशन पर प्रथम कलास टिकिट से यात्रा के दरम्यान मेरिट्जाबर्ग नामक अंधियारे स्टेशन पर सामान समेत डिब्बे से बाहर फिकवा दिया। तब गोरे अंग्रेजों द्वारा काले भारतीय के साथ भेदभाव को लेकर उसी स्टेशन पर धरना शुरू कर दिया ओर जब सुबह की रोशनी फूटी तो गांधी के जीवन का अँधियारा भी जगमग रोशन हो चुका था ओर वे विश्व में थर्ड कलास समझे जाने वाले उपेक्षित भारतीय मजदूरों ओर बंधकों के मसीहा बन गए, अंतत वहाँ भारतीय के शोषण,प्रताड्ना ओर बंधक रहने पर लंबी लड़ाई लड़कर थर्ड कलास के कलंक को मिटाने के बाद विजयी योद्धा के रूप में गुलाम भारत में अंग्रेजों के अत्याचार ओर गुलामी से आजादी दिलाने की लड़ाई में शामिल हो गए। भारत में यह थर्ड क्लास शब्द इन परम ज्ञानी महोदयों अर्थात शिक्षित ओर सम्पन्न वर्ग की आवश्यकता बन गया है ओर देश के सभी बड़े मंदिरों में बड़े पहुँच वाले नेताओं-अधिकारियों ओर पैसेवालों को प्रथम क्लास/वीआईपी का दर्जा दे इन्हे अगले द्वार से दर्शनों एव पुजापाठ की त्वरित व्यवस्था की गई है जो दर्शन करने आने वाली भी की लाइनों में घंटों इंतजार न कर सीधे प्रवेश करते है। इस भेदभाव ओर शोषण में स्थानीय प्रशासन ओर सरकार तथा मंदिरों के ट्रस्ट-व्यवस्थापक भी बराबर शामिल होने से अधिकांश समाज का वर्ग थर्ड कलास का दर्जा प्राप्त कर घंटो प्रतीक्षा के बाद भगवान के द्वार पर आए तो सुरक्षाकर्मी उसे दर्शन

किए बिना भी मत लगाओ कहकर आगे धक्का देकर अपमानित सा करते है ओर वह मन में आक्रोश ओर पी ा लिए चुपचाप प्रसाद चढ़ाने को ही अपनी भक्ति की संतुष्टि समझकर तीर्थ करने के गौरव से फूला नहीं समाता है। भारत देश की प्रजा के मुख्य अंग जो गरीब है, शिक्षित बेरोजगार है, युवा है, सभी अपनी योग्यता ओर अनुभव का लाभ देकर रोजगार पाना चाहते है, सरकारे देश के इन युवाओं के यह सब देने में असफल है जिससे ये सभी हताशा में जीते हुये रोजगार की प्रतीक्षा में सरकारी उम्र की निर्धारित सीमा निकलने पर अयोग्य होकर फिर पूरा जीवन थर्डकलास बनकर ही जीने को विवश होते है। सरकार इन सभी निराश-हताश को थर्ड कलास बनाए रख अपना वोट बैंक समझ इन्हे गरीब मजदूर बनाए रखने की जिम्मेदार है वही वोट के लिए पैसा,शराब ओर प्रलोभन देकर नेता अपनी जीत ओर पार्टी सरकार बनाए इसमें सफल होते है । शेष क्लास के लोग तो पार्टियो ओर सरकार का गणित खराब करते है। उसे प्रथम या द्वितीय कलास होने की फिकर ही नहीं है।

सरकार ने भी थर्डक्लास को मान्यता देकर उसे गरीबी की रेखा के नीचे रखकर उसके नाम पर अनेक मुफ्त की योजनाए शुरू कर लाभ दे रखा है इससे ये अकल के अंधे खुद को थर्डक्लास बनाए रखने में शर्म करने की बजाय मुफ्तखोरी की आदत से गौरवशाली मानते है, मजे की बात यह है की इस मुफ्तखोरी में अनेक सम्पन्न ओर धनधान्य भरे परिवार भी गुनहगार बनकर शामिल होकर गरीबी रेखा के नीचे रह थर्ड क्लास बने रहने में अपना सम्मान समझते है, ओर नेताओ के बदौलत वे सफल होते है,जिनसे आज तक कोई रिकवरी नही हुई ओर न ही इनपर मामले दर्द हुये, इसलिए ये सम्पन्न थर्ड कलास पर हुक्म चलाते हुये थर्ड क्लास बन खतरी ओ घी पी रहे है। थर्ड क्लास ने रोना सीख लिया है जब भी सरकार उसेक द्वार आए वह खूब रोता है ओर सरकार उस पर तरस खाकर उसपर मेहरवान हो जाये तो दूसरे कलास के लोग थर्डक्लास के भाग्य देख खुद उसमें शामिल होने के लिए पछताते देखे गए है, किन्तु यह सोचने के लिए कोई तैयार नहीं की जीवन में स्वाभिमान ओर स्वतन्त्रता भी जरूरी है अगर यह दोनों का भाव की चिंगारी सुलग जाये तो अपने अधिकारों के लिए ले कर हरेक थर्डकलास बगावत कर उठेगा ओर वास्तव में वह जो होने के लिए जन्मा है वह उस लक्ष्य को पाकर अपने जीवन की पूर्णता को उपलब्ध हो सकेगा।

जगतपिता ने किसी में भेदभाव नही किया ओर न ही ही किसी को थर्डकलास का दर्जा देकर पैदा किया है, यह सब भेदभाव सरकारों ने ओर समाज ने किए है। परमात्मा ने सारी सृष्टि बनाकर सौप दी,उसने जीवन के अनमोल साँसों की कीमत नहीं लगाई, जल, वायु, आकाश ओर भूमि का कोई मूल्य नही लगाया, यह सब व्यवस्था देश ने ओर सरकार ने की है। परमात्मा ने जीवन को नौ रसों की सृष्टि से सिंचित किया है ताकि जीवन में सदैव निरालापन रहे। लोगों में खुशी हो, रंज हो, हंसी हो, रुलाई हो, प्यार हो, नफरत हो वीरता हो, कायरपन हो, यह सब अजीबो-गरीब भाव भंगिमाए देकर परमात्मा ने हरियाली की चादर लिए पृथ्वी एक से एक मणि माणिक्य ओर हीरे जवाहरातों ओर सोने चांदी की खदानों से पूर्ण सौपी है। भारत गुलाम था मोहनदास गांधी गुलामी से मुक्त कराने आए, आजादी मिली पहली बार थर्डक्लास मुस्लिम लीग के साथी मिले जिन्होने आजादी को टुकड़ों में लेने की शर्त भी स्वीकार कर अपना पृथक देश बनाकर अपनी थर्ड क्लास सोच ओर नीयत को इस देश में छोड़ गया। उनकी यह अजीबो-गरीब शर्त जिसमें देश विभाजित हुये,सच में इसनिम्न विचार का नाम थर्ड कलास होना चाहिए था किन्तु क्या कीजिएगा उस थर्ड कलास सोच ने ट्रेनों से भरकर उपहार में हजारों लोगों की लाशे भेजी,भीभत्स कृत्यों से देश को शर्मसार किया।

सबक सिखाने वाला हादसा

फरीदाबाद से विस्फोटक श्रीनगर ले जाने पर भी सवाल

इससे दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ नहीं कि जो जम्मू-कश्मीर पुलिस अपनी अतिरिक्त सतर्कता के चलते फरीदाबाद के खतरनाक आतंकी माड्यूल तक पहुंची, वह उसी विस्फोटक के एक हिस्से में हुए विस्फोट की चपेट में आ गई,जिसे उसने बरामद किया था। श्रीनगर के नौगाम थाने में हुए विस्फोट में नौ लोगों ने जान गंवाई।

विस्फोट अमोनियम नाइट्रेट नामक उस विस्फोटक में हुआ, जिसका इस्तेमाल फरीदाबाद माड्यूल के एक आतंकी की कार में दिल्ली में लाल किले के निकट हुआ था। उसकी कार में हुए धमाके से 13 लोग मारे गए थे। यदि फरीदाबाद में विस्फोटक मिलते ही उसका भंडारण करने वाले आतंकियों के शेष साथियों की गहन तलाश को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती तो शायद लाल किले के निकट हुए धमाके को रोका जा सकता था।

इसी तरह यदि फरीदाबाद में मिले विस्फोटक को श्रीनगर ले जाने की जरूरत नहीं पड़ती तो नौगाम थाने के जानलेवा हादसे से बचा जा सकता था। ये दोनों प्रसंग यही सबक दे रहे हैं कि पुलिस को और अधिक सजगता बरतने और अपनी कार्यप्रणाली में परिवर्तन लाने की जरूरत है।

फरीदाबाद में आतंकियों के ठिकाने से बरामद विस्फोटक को श्रीनगर के नौगाम थाने इसलिए ले जाया गया, क्योंकि इस आतंकी माड्यूल के खिलाफ एफआइआर यहीं दर्ज की गई थी। आखिर विस्फोटक के एक अंश को नमूने के तौर पर ले जाने के बजाय उसकी इतनी अधिक मात्रा क्यों ले जाई गई? अच्छा हो कि संवेदनशील विस्फोटकों को संबंधित थाने ले जाने की बाध्यता खत्म की जाए।

अमोनियम नाइट्रेट बहुत ही संवेदनशील और अस्थिर प्रकृति का विस्फोटक है। तनिक भी असावधानी या प्रतिकूल परिस्थिति उसमें विस्फोट का कारण बन सकती है। यह ठीक नहीं कि खतरनाक विस्फोटक को बड़ी मात्रा में फरीदाबाद से श्रीनगर ले जाया गया और जब उसका परीक्षण किया जा रहा था तो तमाम सावधानी के बाद भी उसमें विस्फोट हो गया।

आज जब आतंकियों का नेटवर्क देशव्यापी होने लगा है और वे घातक विस्फोटक कई ठिकानों में छिपाने लगे हैं, तब उन्हें हर जगह से उसी थाने ले जाना जरूरी नहीं होना चाहिए, जहां से मामले की जांच शुरू हुई हो। आतंकियों के पास से मिले विस्फोटकों के मामले में तो इस चलन को रोका ही जाना चाहिए। अब हर राज्य में आतंकवाद निरोधक दस्ता है। उसे यह सुविधा मिले कि अन्य राज्यों की पुलिस के लिए विस्फोटकों की जांच कर सके।

आखिर फरीदाबाद में मिले विस्फोटक की जांच हरियाणा में ही क्यों नहीं हो सकती थी? प्रश्न यह भी है कि जब फरीदाबाद माड्यूल का भंडाफोड़ होते ही यह स्पष्ट हो गया था कि यह आतंकवाद से जुड़ा मामला है और इसकी जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी अपने हाथ में लेगी, तब भी विस्फोटक श्रीनगर क्यों ले जाया गया?

एनडीए की सुनामी को भांपने में क्यों फेल हुए एग्जिट पोल?

"नीतियों, संख्या-शास्त्र और राजनीतिक सामाजिक रुझानों को समझने का दावा करने वाले एग्जिट पोल्स एक बार फिर बिहार के जनादेश के सामने बुरी तरह धराशायी हो गए। यह वही बिहार है, जहां जनता की राजनीतिक सूझबूझ देशभर में मिसाल मानी जाती है और इसी बिहार ने 2025 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि मतदाता का मन कागजों, ग्राफों और टीवी स्टूडियो की चर्चाओं से नहीं पढ़ा जा सकता।"

लगभग दो दर्जन एजेंसियों ने अपने-अपने अनुमानों की बौछार कर दी थी लेकिन नतीजों ने इनकी तथाकथित वैज्ञानिकता का मुखौटा एक झटके में उतारकर फैंक दिया। मतदान के बाद तमाम टीवी चैनलों पर

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

जोर-शोर से दावे किए जा रहे थे कि इस बार तस्वीर साफ है, रुझान स्थिर हैं और रणनीति मजबूत है परन्तु असलियत यह थी कि वैज्ञानिक 'सैम्पलिंग' के नाम पर केवल अनुमान बेचे जा रहे थे और इन अनुमानों का आधार जमीन से ज्यादा स्टूडियो-केन्द्रित 'कॉलिनियरिटी' था।

हालांकि बिहार के दो चरणों वाले चुनाव में भारी मतदान ने यह संकेत पहले ही दे दिया था कि इस बार कुछ अलग ही लहर है लेकिन यह लहर कितनी प्रचंड होगी, इसे कोई भी एजेंसी अपने सर्वे में नहीं पके सकी। 65 और 68 प्रतिशत की रिकॉर्ड वोटिंग ने विश्लेषकों को जरूर सतर्क किया था लेकिन यह सतर्कता भी उस समय ध्वस्त हो गई, जब एग्जिट पोल्स ने लगभग एक जैसी थाली परोसी यानी एनडीए की जीत लेकिन सीमित मार्जिन के साथ। लगभग सभी 'पोल ऑफ पोल्स' ने एनडीए को 150 के आसपास और महागठबंधन को 80-90 सीटों तक टिका दिया, मानो मतदाता किसी स्थिर पैटर्न में वोट डालने गया हो। इन अनुमानित संख्याओं में न आत्मविश्वास झलकता था,न शोध की गंभीरता। यही नहीं, प्रतिष्ठित मानी जाने वाली एक्सिस माय इंडिया और टुडेज चाणक्य जैसी एजेंसियां भी उस भूचाल को भांप नहीं सकी, जिसने एनडीए को 200 से अधिक सीटों के साथ रिकॉर्ड बहुमत दे दिया। यह पराजय अनुमान की नहीं, समझ की थी और यह विफलता आंके ों की नहीं, पद्धति की थी, जो सवाल उठाती है कि क्या एग्जिट पोल्स विश्लेषण करते हैं या महज भविष्यवाणी का खेल खेलते हैं?

सबसे दिलचस्प बात यह रही कि सभी एजेंसियों के बीच 'पोल डायरी' नाम की

एकमात्र एजेंसी थी, जिसने एनडीए को 184-209 सीटों तक का अनुमान देकर राजनीतिक गलियारों को चौकन्ना कर दिया था। उस समय इसे कई विशेषज्ञों ने 'आउटलायर' कहकर खारिज कर दिया था परंतु नतीजे आए तो वही आउट्लायर सबसे सटीक साबित हुआ। महागठबंधन को 32-49 सीटों का उसका अनुमान भी वास्तविक परिणामों से मेल खा गया। यह सवाल और बड़ा हो जाता है कि जब सारी एजेंसियां एक दिशा में झुकी हों और एक एजेंसी अलग दृष्टि दे रही हो,तब भी आखिर क्यों तथाकथित विशेषज्ञता उस एकमात्र भिन्न अनुमान को गंभीरता से नहीं लेती? जवाब स्पष्ट है कि एग्जिट पोल अब एक उद्योग है और उद्योग में जोखिम लेने की जगह कम होती है। सबको उसी लय में बोलना सुविधाजनक लगता है,जिसमें बहुमत की आवाज सुनाई देती है।

बिहार में एक्सिस ने 121-141, चाणक्य ने 148-172, भास्कर ने 145-160, पीपुल पल्स ने 133-159, मैट्रिज-आईएएनएस ने 147-167 और लगभग हर एजेंसी ने 130 से 160 के बीच एनडीए को बांधकर रखा। महागठबंधन को इन्हीं एजेंसियों ने उदारता के साथ 75-110 सीटें सौंप दी, मानो राजनीतिक ध्रुवीकरण,जातीय समीकरणों के पुनर्संयोजन,महिलाओं और युवाओं के मतदान पैटर्न जैसी वास्तविकताओं का कोई महत्व ही न हो। नतीजा? जमीन पर वोटर ने इन सारे अनुमानों को 'कागजी गणित' साबित कर दिया। एनडीए जहां 200 सीटों से ऊपर निकल गया, वहीं महागठबंधन 35 के आसपास सिमट गया। बिहार की राजनीति की जटिलता को समझ पाने में एग्जिट पोल्स की असमर्थता कोई नई बात नहीं है। 2010, 2015 और 2020 में भी वे लगातार विफल रहे। 2015 में जब नीतीश-लालू गठबंधन की प्रचंड जीत हुई थी जबकि सर्वे एजेंसियों ने इसके उलट एनडीए की बे त दिखाई थी। 2020 में जब लगभग हर सर्वे ने महागठबंधन की जीत की भविष्यवाणी की थी, तब नतीजों ने एनडीए को 125 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत पर पहुंचा दिया था। अब 2025 में जब एनडीए की सुनामी आई, तब उसे भी पे ने में लगभग सभी एजेंसियां एक बार फिर चूक गई। आखिर चुनावी समाजशास्त्र में ऐसी क्या अंधी दीवार है, जो इन एजेंसियों को वास्तविकता से टकराने पर मजबूर कर देती है? यह विफलता केवल बिहार तक सीमित नहीं है। हरियाणा, महाराष्ट, झारखंड, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और यहां तक कि लोकसभा चुनावों तक में एग्जिट पोल्स बार-बार चित्त होते आए हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में तो लगभग हर एजेंसी ने एनडीए को 350-400 सीटों का आकाश छूता अनुमान दिया था जबकि भाजपा 240 सीटों पर रुक गई थी और एनडीए 292 पर। महाराष्ट्र में एग्जिट पोल्स ने 150-170 सीटों की 'महायुति' दिखा दी पर वास्तविक नतीजे 234 सीटों के विशाल बहुमत में तब्दील हो गए। झारखंड में अनुमान एनडीए का, नतीजा इंडिया ब्लॉक का; बंगाल में अनुमान त्रिशंकु का, नतीजा टीएमसी की सुनामी का, तो क्या यह कहना गलत है कि एग्जिट पोल अब विश्लेषण का औजार नहीं बल्कि मनोरंजन का साधन बन चुके हैं?

सबसे बे ा प्रश्न यही है कि आखिर एग्जिट पोल्स किस 'विज्ञान' पर चलते हैं? एजेंसियां दावा करती हैं कि वे वैज्ञानिक सैम्पलिंग, पिछले चुनावों के पैटर्न, जातीय-क्षेत्रीय वितरण, बूथवार गणना और वोट शेयर रूपांतरण मॉडल पर काम करती हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि यह डेटा कितने बूथों से लिया जाता है, कितने मतदाताओं से बात होती है, कौनसे अनुपात लागू किए जाते हैं, इन सबकी पारदर्शिता लगभग शून्य है। 'वैज्ञानिक मॉडल' की ओ में यह उद्योग एक ब्लैक बॉक्स की तरह काम करता है, जहां अंदर क्या चल रहा है, कोई नहीं जानता और बाहर सिर्फ अनुमान बेचा जाता है। हालांकि ऐसा नहीं है कि सैंपलिंग से नतीजे निकाले नहीं जा सकते। दुनियाभर में चुनाव पूर्व सर्वे और एग्जिट पोल आम प्रचलन में हैं लेकिन वहां मैथडोलॉजी खुली होती है, डेटा उपलब्ध होता है और एजेंसियों का मूल्यांकन उनके पिछले रिकॉर्ड के आधार पर किया जाता है। भारत में इसके उलट, टीवी चैनल टीआरपी के लिए और सर्वे एजेंसियां कॉन्ट्रैक्ट के लिए एग्जिट पोल पेश करती हैं। इन्हें वास्तविकता से ज्यादा कथानक गे ने में रुचि होती है। कई बार राजनीतिक पक्षधरता, कई बार व्यावसायिक दबाव और कुछ मामलों में 'सैंपल की कमी' जैसे बहाने इस उद्योग का स्थायी फॉर्मूला बन चुके हैं।

कुल मिलाकर, बिहार के 2025 के जनादेश ने एक बार फिर यह साबित किया है कि एग्जिट पोल्स मतदाता को पे ने का नहीं, मतदाता को प्रभावित करने का उपकरण बन चुके हैं। किसी भी लोकतंत्र में यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है। जब टीवी चैनल और एजेंसियां मिलकर मतदाता के मन की थाह लेने के बजाय उसकी धारणाओं को दिशा देने में लग जाएं, तब उनकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगने स्वाभाविक है। यह समय है कि भारत में एग्जिट पोल्स के लिए स्वतंत्र विधिक नियंत्रण,स्पष्ट पद्धति प्रकटीकरण, सैम्पलिंग मानक, पारदर्शिता नियम और जवाबदेही लागू की जाए। जब तक यह उद्योग 'अनुमानों की दुकान' बना रहेगा, तब तक उसका हर अनुमान एक जोखिम होगा और उसकी हर भविष्यवाणी लोकतंत्र को भ्रमित करने का माध्यम। हालांकि बिहार ने एक बार फिर दुनिया को दिखा दिया कि यहां का मतदाता किसी भी 'पोल' से बे ा है। 'पोल ऑफ पोल्स' विफल हुआ लेकिन जनता का पोल एकदम सही बैठा। यही बिहार की राजनीतिक चेतना की असली शक्ति है और यही लोकतंत्र की वह जीवंत धे कन है, जिसे कोई सर्वे, कोई ग्राफ और कोई चैनल स्टूडियो कभी समझ नहीं पाएगा।

रोकटोक : फिर अपना क्या?

संजय राऊत

महार वतन की जमीन पार्थ पवार की जेब में कैसे गई, इसका खुलासा हो गया है। महाराष्ट्र में कीमती जमीनें अमीरों की जेब में सहज चली जा रही हैं। मेहनतकश किसानों,मजदूरों और आदिवासियों की आधिकारिक जमीनों पर आक्रमण शुरू है। अगर सारी जमीनें ऐसे ही चली गईं तो अपना क्या?

महाराष्ट्र में लाखों की जमीन कौन लूट रहा है? ये जमीनें सिर्फ गौतम अडानी और उनकी कंपनियां ही नहीं लूट रही हैं, बल्कि महाराष्ट्र के राजनेताओं और उनके बेटों ने भी जमीन कब्जाने का धंधा शुरू कर दिया है। उप मुख्यमंत्री अजीत पवार के चिरंजीव पार्थ पवार ने पुणे के मुंढवा इलाके में 40 एकड़ सरकारी जमीन सिर्फ 300 करोड़ रुपए में हासिल कर

ली। जमीन की मूल कीमत 1,800 करो रुपए। इसके अलावा इस लेन-देन पर मुद्रांक शुल्क भी माफ कर दिया गया। यह मामला उजागर होने के बावजूद भी अजीत पवार मंत्रिमंडल में बने हुए हैं। पुणे के एक भूखंड मामले में जैसे ही हाई कोर्ट ने तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर जोशी को फटकार लगाई, शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे ने जोशी को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। अब जमाना बदल गया है। अंतुले, निलंगेकर, अशोक चव्हाण जैसे कई लोगों को किसी न किसी कारण से मुख्यमंत्री पद से हटना पे ा। अगर अशोक चव्हाण भाजपा के मुख्यमंत्री होते तो उन्हें आदर्श भूखंड सौदे में मुख्यमंत्री पद से नहीं हटना पे ता, ये अब सच लगता है। इसलिए मुंढवा के जमीन घोटाले में अजीत पवार पर कार्रवाई होगी, ऐसा नहीं लगता। मुंबई समेत महाराष्ट में रणनीतिक जमीनें धनाढ्यों और नेताओं की जेब में जाती रहेंगी और सरकार के आशीर्वाद से सारे लेन-देन सुगमता से होते रहेंगे। आजादी के बाद जमीनों की इतनी लूटपाट कभी नहीं हुई।

महानता कभी ना गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है.

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

पुलिस हिरासत में मौत मामला : 8 वें दिन उमेश का शव लेने को परिजन हुए तैयार,किया गया अंतिम संस्कार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर पुलिस की कस्टडी में ज्वेलर्स दुकान में चोरी के आरोपी उमेश सिंह की मौत हो गई थी। इस मामले में काफी बवाल हुआ था। परिजनों ने पुलिस द्वारा की गई पिटाई से मौत का आरोप लगाया था,जबकि पुलिस ने सिकलसेल एनिमिया से मौत की बात कही थी। पुलिस ने उसकी इस बीमारी के इलाज की हिस्ट्री भी साझा की थी। इधर परिजन उमेश का शव लेने को तैयार नहीं थे। मामले की मजिस्ट्रियल जांच जारी है। इसी बीच 8वें दिन परिजन ने शव का निरीक्षण किया,इसके बाद उन्हें शव सुपुर्द किया गया। परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया है। उन्हें उम्मीद है कि मामले में उन्हें उचित न्याय मिलेगा। दरअसल बलरामपुर के दहेजवार चौक स्थित धनंजय ज्वेलर्स में चोरी के 9 आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में लिया था। इनमें 4 खरीदार व सहयोगी भी शामिल थे। इनमें से 8 लोगों को पुलिस ने 9 नवंबर को जेल भेज दिया था,जबकि चोरी के एक आरोपी उमेश सिंह 19 वर्ष की पुलिस कस्टडी में 9 नवंबर की सुबह ही मौत हो गई थी। पुलिस आरोपी से चोरी के जेवर बरामद करने के बाद उसके घर सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम नकना से लेकर वापस लौट रही थी। पुलिस के अनुसार इसी बीच उसकी तबियत बिगड़ गई और उसे बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में परिजनों ने पुलिस की पिटाई से उसकी मौत का आरोप लगाया था। जबकि पुलिस ने सिकलसेल एनिमिया बीमारी से पीड़ित होने की वजह से उसकी मौत की बात कही थी।

परिजनों ने शव लेने से किया था इनकार : परिजनों ने उमेश का शव लेने से इनकार कर दिया था। इसी बीच पुलिस उसका शव अस्पताल से लेकर भाग निकली थी। इस दौरान बलरामपुर थाने के सामने प्रदर्शन कर रहे परिजन पर पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया था। बाद में पुलिस ने उमेश का शव राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मरच्यूरी में सुरक्षा में रखवाया गया था। इधर परिजन ने शव का दोबारा पीएम कराने, 1 करोड़ रुपए मुआवजा व पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग आईजी से की थी। मामले की मजिस्ट्रियल जांच चलने की बात आईजी ने कही थी तथा एक निरीक्षक समेत 4 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया था।

8वें दिन सुपुर्द किया गया शव

7 दिन से उमेश का शव मरच्यूरी में ही पड़ा हुआ था। 8 वें दिन रविवार को 5 परिजनों को तहसीलदार रुपाली मेश्राम व 3 डॉक्टरों की मौजूदगी में शव का निरीक्षण कराया गया। इसके बाद शव उनके सुपुर्द कर दिया गया। इसके बाद परिजन ने ग्राम नकना में उसका अंतिम संस्कार किया। फिलहाल मामले में मजिस्ट्रियल जांच जारी है। परिजन भी इस उम्मीद में है कि उन्हें सही न्याय मिलेगा।

दो व्याख्याताओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में शिक्षा जगत को झकझोरने वाली दो घटनाओं ने हड़कंप मचा दिया है। संभाग कमिश्नर कार्यालय ने अनुशासनहीन आचरण और नाबालिग छात्रा के साथ अमर्यादित व्यवहार के गंभीर आरोपों में दो व्याख्याताओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। ये कार्रवाइयां कलेक्टरों की सिफारिशों और पुलिस जांच पर आधारित हैं, जो शिक्षकों की नैतिकता और विद्यालयी माहौल पर सवाल खड़े करती हैं। पहले मामले में,बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के शासकीय उमा महाविद्यालय, बसंतपुर में तैनात व्याख्याता राजेंद्र कुमार देवांगन को सहकर्मियों से लगातार विवाद और अनुशासनहीन व्यवहार के आरोप में निलंबित किया गया। कलेक्टर बलरामपुर द्वारा भेजे गए प्रस्ताव और पुलिस अनुविभागीय अधिकारी वाड्रफनगर की 10 अक्टूबर 2025 की जांच रिपोर्ट में पाया गया कि देवांगन के विवादों से विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण बाधित हो रहा था। छात्रों की पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ने की बात सामने आई। कमिश्नर ने इसे छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 का उल्लंघन माना और सिविल सेवा (वर्गीकरण,नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत निलंबन आदेश जारी किया। निलंबन काल में उन्हें जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा, जबकि मुख्यालय संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय,अम्बिकापुर निर्धारित किया गया है। दूसरे मामले में जशपुर जिले के शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ व्याख्याता गिरधारी राम यादव को कक्षा 10 वीं की नाबालिग छात्रा के साथ अनुचित और अशोभनीय व्यवहार के आरोप में निलंबित किया गया। जशपुर कलेक्टर के प्रस्ताव के मुताबिक, पुलिस थाना जशपुर ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धाराओं 74, 75, 64(2)(रू), 65(1), 6 और 8 के तहत FIR दर्ज की है। कमिश्नर ने इसे शिक्षक-छात्र संबंधों पर गहरा आघात बताते हुए आचरण नियमों का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया। इनको भी समान नियमों के तहत निलंबित किया गया,जीवन निर्वाह भत्ता सुनिश्चित करते हुए मुख्यालय अम्बिकापुर में तय किया गया।कमिश्नर कार्यालय के दोनों आदेश तत्काल प्रभावी हैं, जो शिक्षा विभाग में नैतिकता की सख्ती का संदेश देते हैं।

200 नग नशीले इंजेक्शन के साथ आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

200 नग नशीले इंजेक्शन के साथ आबकारी विभाग के संभागीय उडऩ्दस्ता टीम ने सूरजपुर जिले के चंद्रेली से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार संभागीय आबकारी उडऩ्दस्ता संभाग सरगुजा की टीम कि नशे के सौदागरो पर ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। 16 नवंबर को उडऩ् दस्ता टीम ने जिला सूरजपुर में बड़ी कार्यवाही की है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि चंद्रेली निवासी रामबरत रवि अपने घर में भारी मात्रा में नशीला इंजेक्शन रखकर बेच रहा है तत्काल रामबरत के घर दबिश दी गई रामबरत के घर पहुंचने पर वह एक झोला लेकर घर से निकलकर भागने लगा जिसे दौड़ा कर पकड़ा गया। झोले की तलाशी लेने पर उसमें 200 नग नशीले इंजेक्शन पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 सी के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता की नशीले इंजेक्शन के विक्रेताओं पर ताबड़तोड़ कार्रवाई से पूरे सरगुजा संभाग में नशे के सौदागरों में हडक़ंप मचा हुआ है। यह पिछले कुछ महीनो में नशीले इंजेक्शन विक्रेताओं पर 26 वीं बड़ी कार्रवाई है। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता द्वारा की गई। आबकारी उपनिरीक्षक तेजराम केहरी, मुख्य आरक्षक कुमारु राम, रमेश दुबे, अशोक सोनी नगर सैनिक गणेश पांडे,रणविजय सिंह एवं महिला सैनिक अंजू एक्का की कार्यवाही में सराहनीय भूमिका रही।

कुन्नी में पुल,सड़क,बाजार शेड व स्वास्थ्य केंद्र उन्नयन का भूमि पूजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

पर्यटन,संस्कृति,धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने जनपद पंचायत लखनपुर के कुन्नी मंडल में आज रविवार को लुण्ड्रा विधानसभा क्षेत्र में कुल 46 करोड़ 56 लाख 69 हजार रुपये की लागत से विभिन्न विकास एवं आधारभूत संरचना संबंधी परियोजनाओं का भूमि पूजन किया गया। इस दौरान लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज एवं जनप्रतिनिधि,अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम में जिन प्रमुख परियोजनाओं का भूमि पूजन किया गया, उनमें पोड़ी-जगन्नाथपुर मार्ग पर रेहण्ड नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुँच मार्ग लागत कुल 1042.70 लाख रुपये, लिपिंगी-मुड़ापार से रेहण्ड नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुँच मार्ग लागत 868.86 लाख रुपये,अमगसी-कुन्नी मार्ग निर्माण लागत 2663.78 लाख रुपये,ग्राम पंचायत कुन्नी में दो महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का भी भूमिपूजन किया गया,इनमें नया बाजार शेड निर्माण 56.65 लाख रुपये,महतारी सदन निर्माण 24.70 लाख रुपये है,इन परियोजनाओं से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा और ग्रामीणों को लंबे समय से हो रही आवाजाही की समस्या से राहत मिलेगी। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुन्नी को अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के रूप में उन्नत किया जाएगा। इसके लिए शासन द्वारा 56 नये पदों के सृजन की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी गई है।

कार्यक्रम के दौरान उन्नत सीएचसी का फीता काटकर शुभारंभ भी किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, जनपद उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े,जनपद सदस्य गनेश्वरी राठिया, सुदर्शन, तारावती उड़के, सरपंच अनुप सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सरगुजा में कड़ाके की ठंड,57 साल का रिकॉर्ड टूटा,शीतलहर से जनजीवन प्रभावित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

इस साल नवंबर में सरगुजा संभाग में मौसम ने ऐसी करवट ली है कि ठंड ने पिछले 57 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पूरे क्षेत्र में 10 दिनों से कड़ाके की ठंड और शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। शनिवार की रात का न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य औसत से 6 डिग्री कम था। वहीं, मैनपाट और बलरामपुर जिले के सामरीपाट में तापमान 5 डिग्री से भी नीचे जा चुका है। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल ठंड से राहत की कोई उम्मीद नहीं है और तापमान में और गिरावट की संभावना जताई जा रही है।

शीतलहर ने तोड़ा 57 साल पुराना रिकॉर्ड: नवंबर की शुरुआत से ही सरगुजा में तापमान में लगातार गिरावट देखी जा रही है, और शनिवार की रात यह गिरावट अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। सामान्य तौर पर नवंबर में औसत न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस होता है,लेकिन इस बार यह 6.2 डिग्री तक गिर चुका है। मौसम वैज्ञानिक एसके मंडल ने बताया कि सरगुजा में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। उत्तर दिशा से आ रही शुष्क हवाओं की वजह से तापमान में यह गिरावट देखी जा रही है, जो अगले कुछ दिनों तक जारी रहने की संभावना है।

मैनपाट और सामरीपाट में स्थिति गंभीर : सरगुजा के मैनपाट और बलरामपुर जिले के सामरीपाट की स्थिति और भी गंभीर है। इन क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से नीचे जा चुका है। मैनपाट, जिसे 'छत्तीसगढ़ का शिमला' कहा जाता है, में इस वक्त बर्फीली हवाओं के चलते जनजीवन प्रभावित हो रहा है। लोग ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं। इन क्षेत्रों में खासतौर पर सुबह और रात के समय ठंड इतनी बढ़ जाती है कि घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है।

देर रात डीजे की धूम : सूरजपुर पुलिस ने ठोका सख्ती का डंडा,जब्त किए साउंड बॉक्स-एम्पलीफायर

-संवाददाता-
सूरजपुर,16 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जिले में ध्वनि प्रदूषण पर पुलिस की सख्ती तेज हो गई है। देर रात तेज आवाज में डीजे और साउंड बॉक्स बजाने की शिकायत पर विश्रामपुर पुलिस ने त्वरित एक्शन लिया। ग्राम तलवापारा में बिना अनुमति के धूम मचाने वालों के खिलाफ साउंड बॉक्स व एम्पलीफायर जब्त कर कोलाहल अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के सख्त निर्देशों के बाद थाना प्रभारियों ने डीजे संचालकों व गणमान्य नागरिकों की बैठकें कर हाईकोर्ट के दिशा-निर्देशों से अवगत कराया था साथ ही साफ चेतावनी भी जारी किया गया था कि विधिवत अनुमति ले, तय समय तक ही बजाओ, निर्धारित साउंड में चलाए वरना सख्त कार्रवाई होगी इसी कड़ी में यह कार्रवाई किया गया है और आने वाले दिनों में कार्यवाही जारी रहेगी। 15-16 नवंबर की दरम्यानी रात विश्रामपुर पुलिस गश्त पर थी। तभी खबर लगी कि तलवापारा में तेज ध्वनि से साउंड बॉक्स बज रहा है, जिससे आमजन परेशान।

सरगुजा सोसाइटी फॉर फास्ट जस्टिस एवं Forum for Fast Justice का National Conclave 2025 का शुभारंभ को एक विशाल रैली के माध्यम से हुआ प्रारंभ

देश के 14राज्यों के प्रतिनिधि हुए शामिल,पूर्व उप मुख्यमंत्री श्री टी एस सिंह देव जी के कर कमलों से कार्यक्रम की हुई शुरूआत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा सोसाइटी फॉर फास्ट जस्टिस एवं Forum for Fast Justice द्वारा आयोजित National Conclave 2025 ka शुभारंभ दिनांक 15/1125को अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे मल्टी पर्पज़ ग्राउंड से निकाली गई विशाल रैली के साथ हुआ। यह रैली न्याय व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग और त्वरित न्याय तथा अपनी 11 सूत्रीय मांग जिसमें ग्राम न्यायालय की स्थापना, राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र पहाड़ी कोरवा के जाति में सुधार तथा उन्हें संरक्षण देने , तथा अन्य मांगों के संकल्प को लेकर निकाली गई। रैली का विधिवत शुभारंभ फोरम फॉर फास्ट जस्टिस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री भगवान जी रैयानी के द्वारा किया गया, उक्त रेली महामाया चौक होते हुए पीजी कॉलेज आटोडोरियम में सम्पन हुआ जहां पर राष्ट्रीय अधिवेशन की शुरूआत हुई जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय टी. एस. सिंह देव (टी. एस. बाबा) पूर्व उप मुख्यमंत्री जी के द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। यह राष्ट्रीय सम्मेलन देश की मौजूदा न्यायिक प्रणाली में कमियों, जनता की समस्याओं और समाधान के ठोस सुझावों पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों–महाराष्ट्र, मुंबई, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में डेलीगेशन शामिल हुए। इन प्रतिनिधि मंडलों में न्याय, सामाजिक सुधार और मानवाधिकार से जुड़े कई प्रख्यात व्यक्तित्व, के लोग हैं जिसमें भगवान जी रैयानी , श्री राज काचारू, , मुख्तार अंसारी, नजीर खान, जया विंध्याला, बालू अक्कीसा, विनय कांबले, जे डी सिंह, प्रवीण पटेल, विपुल श्रीवास्तव, और अन्य राष्ट्रीय स्तर के विचारक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि टी. एस. सिंह देव (टी. एस. बाबा) ने न्याय व्यवस्था की वर्तमान स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था का मौजूदा बजट अत्यंत सीमित है, जिसके कारण न्याय प्रक्रिया प्रभावित होती है। और वर्तमान में पूरे देश में लगभग 5करोड़ से ज्यादा मामले न्यायालयों में लंबित हैं, और जो संसाधन अभी वर्तमान न्यायपालिका के पास उपलब्ध हैं उससे लंबित प्रकरणों के निपटारे में 324साल लग जाएंगे। उन्होंने सरकार से मांग की कि न्याय के लिए अलग से और पर्याप्त बजट प्रावधान किया जाए, जिससे अदालतों के निए ज्यादा न्यायाधीशों और न्यायिक कर्मचारियों, की नियुक्ति हो सके जिससे लंबित मामलों का तेजी से निपटारा संभव हो सके। उन्होंने आगे कहा कि ग्राम न्यायालयों की स्थापना करना अत्यावश्यक है, ताकि ग्रामीण स्तर पर भी लोग आसानी से न्याय पा सकें। ग्राम न्यायालयों को आज की तकनीक से नए टेक्नोलॉजी के माध्यम से स्थापित करें जिससे कि कम खर्च में न्याय प्राप्त हो सके। National Conclave 2025 में विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों ने भी अपनी-अपनी क्षेत्रीय समस्याएँ, पीड़ित परिवारों के अनुभव और न्याय मिलने में आ रही बाधाओं पर खुलकर चर्चा की। कई वक्ताओं ने कहा कि न्याय केवल 'देने' की प्रक्रिया नहीं, बल्कि 'मिलने' का अधिकार है, और इसके लिए एक तेज, पारदर्शी तथा संवेदनशील प्रणाली का निर्माण समय की मांग है। कार्यक्रम में यह भी प्रस्ताव पारित किया गया कि देशव्यापी स्तर पर न्याय जागरूकता अभियान,जन-संवाद कार्यक्रम तथा लोक अदालतों को सशक्तकरण जैसे कदम उठाए जाएँ–ताकि आम जनता कानूनी प्रक्रियाओं को समझ सके और न्याय प्राप्ति में स्वयं को निर्भीक महसूस करे। इस सम्मेलन के माध्यम से सरगुजा स्वर्णकार सोसाइटी फॉर फास्ट जस्टिस एवं Forum for Fast Justice ने स्पष्ट संदेश दिया कि– 'बिना न्यायिक सुधार के लोकतंत्र अधूरा है, और त्वरित न्याय हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। ' संगठन ने सरकार, न्यायपालिका और समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे मिलकर न्याय व्यवस्था को सक्षम, आधुनिक और जनसुलभ बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाएँ। उक्त कार्यक्रम में सरगुजा में अच्छा कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता को भी सम्मानित किया गया जिसमें श्री नवनीकांत दत्ता जिन्होंने कंज्यूमर राइट्स एक्टिविस्ट के रुम में सराहनीय कार्य किया,श्री सत्यम द्विवेदी स्नेक मेन को भी सम्मानित किया गया,साथ ही साथ डॉ प्रशांत को भी उनके जल संरक्षण में सराहनीय कार्य करने के कारण सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन सरगुजा सोसाइटी फॉर फास्ट जस्टिस के अध्यक्ष डॉ डी के सोनी ने किया, तथा मंच संचालन राहुल पाण्डेय ने किया, जिसमे सरगुजा सोसाइटी के सचिव इंजोर दास महंत, कोषाध्यक्ष एकांत सिंह, हैप्पी सोनी, प्रीति विश्वास, आस्था पांडेय, अजय गौतम, आलोक शुक्ला, राजन यादव, नीरज यादव, तथा काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जंगल में तंबू और तंबू के नीचे करोड़ों का जुआ...क्या पुलिस खुद संरक्षक? सूरजपुर के मानी जंगल में रोज़ करोड़ों का दांव!

सूरजपुर-उदयपुर की सीमा बनी अवैध जुआ का अड्डा...चार दिन में 1 करोड़ की कमाई—शमशेर गैंग का खुलासा

- पार्षद, पुलिसकर्मी का भाई और बाहरी जुआरी,जंगल में बड़ा रैकेट
- क्या पुलिस तंबू लगाकर जुआ चलवा रही है? जनता के सवाल तेज
- मानी जंगल में रोजाना 40-50 जुआरी,पुलिस का 'ज़ीरो' एक्शन

-शमरोज खान-

सूरजपुर,16 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। मानी जंगल में तंबू लगाकर बड़े पैमाने पर रोज़ाना करोड़ों के जुए का खुला खेला जा रहा है, जानकार सूत्रों की मानें तो इसमें बैकुंठपुर के एक पार्षद,सूरजपुर साइबर सेल के एक पुलिसकर्मी का भाई और बाहरी जुआरी बड़ी संख्या में शामिल बताए जा रहे हैं, इस गिरोह का संचालन शमशेर खान कर रहा है,जिसने चार दिनों में 1 करोड़ से ज्यादा राशि जीती है,यह जुआ सूरजपुर-उदयपुर थाना सीमा पर इसलिए चलाया जा रहा है ताकि दोनों थानों को चकमा दिया जा सके,स्थानीय लोगों ने पुलिस की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए उच्चस्तरीय कार्रवाई की मांग की है। बता दे की जिले के मानी जंगल में तंबू लगाकर बड़े पैमाने पर अवैध जुआ फड़ संचालित होने का गंभीर मामला सामने आया है, रोजाना 40-50 जुआरी यहां करोड़ों का दांव लगाते हैं,चार दिनों में शमशेर खान और उसकी टीम ने 1 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली, गिरोह में बैकुंठपुर के एक पार्षद,सूरजपुर एक पुलिसकर्मी का भाई,श्रीनगर का कुख्यात जुआरी और दो बाहरी लोग शामिल बताए जाते हैं,जुआ सूरजपुर-उदयपुर थाने की सीमा पर इसलिए चलाया जा रहा है ताकि कार्रवाई की जिम्मेदारी तय न हो सके,पूछताछ के बाद मुख्य नाम विवेक,मशहूर उर्फ छोटे खान,राजकुमार,बबलू और शमशेर प्रमुख रूप से सामने आए हैं, स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन की 'चुप्पी' पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इतनी बड़ी गतिविधि बिना संरक्षण के संभव नहीं। ग्रामीणों ने तत्काल छापा और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

स्थानीय लोगों की मांग...तत्काल छापा...मामले की उच्चस्तरीय जांच...

ग्रामीणों व स्थानीय संगठनों ने इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच,जुआ फड़ पर तत्काल छापा, और इसमें शामिल सभी व्यक्तियों,चाहे वे पार्षद हों,कर्मचारी हों या पुलिस परिवार के सदस्य के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पार्षद और पुलिसकर्मी के भाई का जुआ फड़ में संचालक होना समाज के लिए दुर्भाग्यजनक : इस मामले में एक सेवानिवृत शिक्षक ने नाम नहीं छापने के शर्त पर कड़े शब्दों में कहा कि पार्षद एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि होता है वहीं किसी पुलिसकर्मी के लिए यह आवश्यक होता है कि वह अपने परिवार को कम से कम अपराध से मुक्त रखे तभी उसकी विभाग में एक बेहतर उपस्थिति होगी,निर्वाचित जनप्रतिनिधि यदि जुआ फड़ संचालित करे और वह अन्य अपराध या अवैध कार्यों से जुड़े तो यह समाज के लिए दुर्भाग्यजनक विषय है क्योंकि ऐसे व्यक्ति को समाज को दूषित करने का काम नहीं करना चाहिए यदि वह कोई जनप्रतिनिधि है।

चार दिन में 1 करोड़ से अधिक की कमाई,शमशेर और उसकी टीम की करतूत

सूत्रों के मुताबिक,इस जुआ फड़ को चलाने वाली टीम में छह लोग शामिल हैं,बैकुंठपुर का एक पार्षद, सूरजपुर साइबर सेल में पदस्थ एक पुलिसकर्मी का भाई, श्रीनगर का कुख्यात जुआरी, और दो बाहरी राज्य के जुआरी,इन सबकी अगुआई शमशेर खान कर रहा है, जिसे इस अंतरराज्यीय जुआ गिरोह का मुख्य संचालक माना जा रहा है,पिछले चार दिनों में ही इन लोगों ने जुआ खेलकर एक करोड़ से ज्यादा राशि जीत ली है।

प्रति दिन पहुंचते 40-50 जुआरी,अंतरराज्यीय नेटवर्क सक्रिय

इस फड़ में रोजाना 40-50 लोग पहुंचते हैं। कई जुआरी छत्तीसगढ़ के बाहर से भी आते हैं। जंगल के बीच तंबू लगा दिया जाता है, ताकि किसी को लोकेशन का सही पता न चल सके और दोनों थानों (सूरजपुर-उदयपुर) की सीमा का फायदा उठाकर कार्रवाई से बचा जा सके। पुलिस प्रशासन की चुप्पी पर सवाल- स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन की चुप्पी पर गंभीर सवाल उठाए हैं लोगों का कहना है कि 'जिले में जंगल के बीच तंबू डालकर करोड़ों का जुआ चल रहा है और पुलिस को भनक तक नहीं? या फिर पुलिस सब जानती है, लेकिन बोलती नहीं? आखिर सच्चाई क्या है? '

घटती-घटना
सरगुजा - अंतर्राष्ट्रीय समाचार
अम्बिकापुर, रविवार 16 नवम्बर 2025

मानी में रोजाना 50 लाख का जुआ! चार महीने से चल रहा कथित खेल,पुलिस खामोश:सूत्र

'शिकायत करो, कुछ नहीं होगा,मानी में जुआ संचालित करने वालों का दावा? जांच की मांग तेज

- सूरजपुर में अवैध जुए का बड़ा नेटवर्क...नामों की चर्चा,कार्रवाही गायब...
- चार महीनों से जुआ रैकेट सक्रिय? मानी में कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल
- जुए के धंधे पर पुलिस की चुप्पी क्यों? मानी में करोड़ों का कथित खेल उजागर

ILLEGAL GAMBLING

मुख्य नाम सामने आए, शमशेर खान,विवेक, मशहूर खान, राजकुमार बबलू...

जुआ संचालित करने में जिन लोगों की सबसे अधिक भूमिका बताई जा रही है,उनमें विवेक, शमशेर खान,मशहूर,राजकुमार और बबलू के नाम प्रमुख रूप से सामने आए हैं,स्थानीय सूत्रों के अनुसार,यह पूरी टीम वर्षों से विभिन्न जंगलों और सीमावर्ती इलाकों में ऐसे ही बड़े जुआ फड़ चलाती रही है।

पुलिसकर्मी का भाई टीम में...क्या यह रिश्ता सुरक्षा कवच है?

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस गिरोह में सूरजपुर साइबर सेल में पदस्थ एक पुलिसकर्मी का भाई भी शामिल बताया जा रहा है। सवाल यह है कि क्या इसी 'खास रिश्ते' के कारण पुलिस की पूरी व्यवस्था चुप है? क्या यह जुआ फड़ पुलिस सुरक्षा में ही चल रहा है?

हज करके लौटे एक संचालक ने की थी घोषणा जुआ उसके लिए है हराम,फिर भी चला रहा फड़:सूत्र

सूत्रों की माने तो एक फड़ संचालक ऐसा भी है जो हज करके लौटा है,सूत्रों का कहना है यह व्यक्ति पहले भी फड़ संचालित करता था और हज से लौटकर इसने जुआ हराम है कहकर जुआ फड़ से दूर होने की बात कही थी,बताया जा रहा है कि वह पुनः जुआ फड़ संचालित कर रहा है।

क्या पुलिस संरक्षक? या कार्रवाई से पहले 'सेटिंग'?

- क्या पुलिस को इसकी जानकारी नहीं?
- क्या पुलिस जानकर अनदेखी कर रही है?
- क्या जुआ संचालकों और पुलिसकर्मियों के बीच कोई गुप्त सांठगांठ है?
- क्या सीमा विवाद को ढाल बनाकर यह नेटवर्क बेखौफ संचालित हो रहा है?

चोरी के 02 मामलो का हुआ खुलासा मामले मे 02 आरोपी गिरफ्तार

थाना मणीपुर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपियों के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही

आरोपियों द्वारा तॉबे के पाइप (25 फिट एवं 28 फिट) को तोड़कर किया गया था चोरी

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,16 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। उक्त चोरी के दोनों मामले में पुलिस सूत्रों के द्वारा बताया गया कि प्रार्थी दिनांक 08/11/25 को थाना मणीपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि चिकित्सालय के ऑक्सीजन प्लांट मे लगा तांबा का पाइप कुल 28 फ़ीट को अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया है जिस पर मामले मे थाना मणीपुर मे अपराध क्रमांक 307/25 धारा 303(2),3(5) बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दूसरे मामले मे प्रार्थी द्वारा दिनांक 15/11/25 को थाना मणीपुर आकर 25 फीट तांबे का पाईप को कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा तोड़कर चोरी कर लिए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई, मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना मणीपुर मे अपराध क्रमांक 314/25 धारा 303(2),3(5) बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा मामले मे प्रार्थी एवं गवाहों का कथन लेखकर घटना स्थल का निरीक्षण कर प्रकरण में अज्ञात आरोपी एवं चोरी गई संपत्ति का पता तलाश किया जा रहा था, दौरान पता तलाश पुलिस टीम के सतत प्रयास से मुखबिर सूचना प्राप्त हुआ कि बादल कुशवाहा एवं शनी सोनी तांबा का पाईप बिकी करने हेतु घुम रहे है कि सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए रवाना होकर संदेही बादल कुशवाहा एवं शनी सोनी को मौक़े से पकडकर थाना लाकर पूछताछ किया गया जो आरोपियों द्वारा अपना नाम (01) बादल कुशवाहा पिता मंगल कुश्वाहा उम्र 23 साल सा0बड़ी बजार चिरमिरी थाना चिरमिरी जिला एम.सी.बी हा0मु0 अटल आवास बाबुपारा थाना मणीपुर (02) शनी सोनी पिता स्व0 संतोष सोनी उम्र 20 साल सा0 बस स्टैण्ड काली मंदीर के पास मनेन्द्रगढ़ थाना मनेन्द्रगढ़ जिला एम.सी.बी,हा.मु.जोड़ तलाब विमल के किराया मकान में थाना अम्बिकापुर का होना बताये, आरोपियों से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर बताये कि दोनों आरोपीगण प्लास्टिक का कचरा एवं कार्टून उठाते समय उक्त ताम्बे के पाइप को देखे थे,जिसे दोनों आरोपियों द्वारा मिलकर चोरी करना एवं ले जाकर 1200 रू में बेच देना बताये आरोपियों द्वारा बिक्री रकम को आपस मे बाट लेना बताया गया एवं उक्त रकम खर्च हो जाना बताया गया,।उसके बाद पुनः अस्पताल मे चोरी की घटना कारित करते हुए तांबा पाईप को तोड़ कर और उसे छोटा छोटा मोड़ कर एक बोरी में डाल कर ले जाकर बस स्टैण्ड के पिछे झाड़ी में छिपाकर रख देना बताये, जो आरोपियों के निशानदेही पर जप्त किया गया है, आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी मणीपुर निरीक्षक अश्वनी सिंह, सहायक उप निरीक्षक रामचंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक विजय रवि,आरक्षक उमाशंकर साहू, अनिल सिंह, रामाशंकर यादव एवं साइबर सेल से प्रधान आरक्षक विकास सिन्हा,आरक्षक मनीष सिंह

अवैध धान परिवहन पर प्रशासन सख्त
वाहन चालक एवं वाहन स्वामी पर एफआईआर दर्ज

तीन पिकअप वाहन के साथ 210 बोरी किया गया था धान जब्त

-संवाददाता-

बलरामपुर,16 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वाड्रफनगर नीर निधि नंदेहा ने जानकारी दी कि 13 नवंबर को 3 पिकअप वाहन पकड़े गए,जिनमें लगभग 210 बोरी अवैध धान भरा हुआ पाया गया था जिस पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। पके गए वाहनों में पिकअप क्रमांक यूपी 64 टी 9238, यूपी 64 टी 3588 एवं यूपी 64 बीटी 2116 शामिल हैं। इन वाहनों पर अवैध धान परिवहन करने के मामले में वाहन चालक और वाहन स्वामी पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

वाड्रफनगर के खाद्य निरीक्षक एवं संयुक्त टीम के द्वारा तहसील रघुनाथनगर के अंतर्गत ग्राम चरचरी में रात्रि लगभग 1:30 बजे तीन पिकअप वाहन को रोककर जांच की गई जिसमें पाया गया कि भारी मात्रा में अवैध धान परिवहन किया जा रहा है तत्पश्चात 210 बोरी अवैध धान जब्त किया गया । पिकअप वाहन चालको से पूछताछ के दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर उक्त पिकअप वाहन चालक पिकअप वाहन छो् कर फरार हो गए पिकअप के वाहन चालक तथा वाहन स्वामी के विरुद्ध एफआईआर दर्द किया गया है।इस संबंध में खाद्य निरीक्षक द्वारा संबंधित वाहन चालकों एवं वाहन मालिकों के विरुद्ध रघुनाथनगर थाना में एफआईआर दर्ज कराया गया है।

गौरतलब है कि उक्त प्रकरण में संबंधित व्यक्तियों द्वारा अन्य प्रदेश के धान को स्थानीय छत्तीसग के कृषकों के खाते से बेचने के आशय से पूर्व नियोजित आपराधिक ष यंत्र के अन्तर्गत छलपूर्वक आर्थिक लाभ प्राप्त करने तथा छत्तीसगढ़ शासन को आर्थिक क्षति पहुँचाने की दुराशय पूर्वक योजना बनाई गई। उनके द्वारा उत्तर प्रदेश से धान लाकर छत्तीसगढ़ में अधिक मूल्य पर विक्रय करने का प्रयास किया गया, जो राज्य सरकार की स्पष्ट नीति का उल्लंघन है। जिसमें केवल छत्तीसगढ़ के स्थानीय कृषकों द्वारा उत्पादित धान की खरीदी वैध मानी गई है। उक्त कृत्य भारतीय न्याय संहिता की धारा 61 (आपराधिक षड्यंत्र) एवं धारा 318 (छल) के परिधि में दण्डनीय है। इसके अतिरिक्त यह कार्यवाही छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम,1972 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के धारा 07 के अंतर्गत अवैध विक्रय भण्डारण एवं परिवहन के श्रेणी में आता है, जो कि आवश्यक वस्तु अधिनियम के धारा 10 (क) के अधीन संज्ञेय अपराध है। उक्त प्रकरण में की गई कार्यवाही का संज्ञान लेते हुए प्राथमिकी दर्ज कराया गया है एवं दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही एवं अपराध में प्रयुक्त वाहन एवं जप्त खाद्यान को शासन के पक्ष में राजसात करवाने की त्वरित कार्यवाही की गई है।

अनुविभागीय अधिकारी नीर निधि नंदेहा ने बताया कि हमारी टीम द्वारा अवैध परिवहन,खरीदी व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करने वालों पर लगातार निगरानी कर ररही है और आगे भी ऐसे मामलों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

लखनपुर,दिनाँक 31/10/2025

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम- अंधला
तहसील - लखनपुर

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सेंवत राम आ0 स्व. सबल साय निवासी ग्राम अंधला तहसील लखनपुर के द्वारा अपने बडी दीदी स्व0 दिलमेन की मृत्यु दिनांक 20/04/2018 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म-मृत्यु रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत् मृत्यु प्रमाण पत्र हेतू आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गयरा है जिस पर दिनांक 18.11.2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र पर कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथी 18.11.2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता हैं। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जाएगा।

सील

तहसीलदार
लखनपुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

लखनपुर,दिनाँक 31/10/2025

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम- अंधला
तहसील - लखनपुर

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सेंवत राम आ0 स्व. सबल साय निवासी ग्राम अंधला तहसील लखनपुर के द्वारा अपने भाई स्व0 बिशुन राम की मृत्यु दिनांक 15/02/2020 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म-मृत्यु रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत् मृत्यु प्रमाण पत्र हेतू आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गयरा है जिस पर दिनांक 18.11.2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र पर कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथी 18.11.2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता हैं। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जाएगा।

सील

तहसीलदार
लखनपुर,सरगुजा

मांदर की थाप पर झूमे मंत्री

गूँजी जनजातीय संस्कृति की धुन, मनेंद्रगढ़ में लगेगी भगवान बिरसा मुंडा की भव्य प्रतिमा

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी ने किया ऐलान, गोंडवाना भवन में लगेगी भगवान बिरसा मुंडा की भव्य प्रतिमा

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का जीवन प्रेरणादायी : मंत्री राजेश अग्रवाल

जनजातीय परंपरा हमारी आत्मा और शक्ति है,इसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना होगा–मंत्री जायसवाल

जनजाति गौरव दिवस धूमधाम से संपन्नः मांदर की थाप पर झूमे स्वास्थ्य मंत्री,कई जनप्रतिनिधि

कोरिया एमसीबी जिले में जनजाति गौरव दिवस धूमधाम से संपन्न...

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर प्रधानमंत्री की वर्चुअल सौगातें, जिले भर में हुआ भव्य आयोजन

-रवि सिंह-
कोरिया/एमसीबी, 16 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर पूरे कोरिया जिले में जनजाति गौरव दिवस अत्यंत उत्साह, गरिमा और जनभागीदारी के साथ मनाया गया, 2 जिले के सभी विकास खंडों में पारंपरिक नृत्य, प्रार्थना, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और जनजागरूकता से प्रेरित कार्यक्रम आयोजित हुए, मुख्य आयोजन मनेंद्रगढ़ स्थित गोंडवाना भवन मैदान, इमली गोलाई में हुआ, जहाँ हजारों की संख्या में आदिवासी भाई-बहनों ने अपनी संस्कृति और परंपराओं का भव्य प्रदर्शन किया।

गोंडवाना संस्कृति का रंगीन उत्सव,मांदर, ढोल और पारंपरिक परिधानों का आकर्षण

महिला मंडलियों,युवा समूहों और बाल कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत करते हुए गोंडवाना संस्कृति की समृद्धि,प्रकृति से जुड़ाव और सामाजिक एकता का अद्भुत प्रदर्शन किया,कार्यक्रम स्थल पर जनजातीय समाज के विभिन्न समाज प्रमुख,जनप्रतिनिधि,अधिकारी,कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

मंत्री ने की दो बड़ी घोषणाएं...

1. गोंडवाना भवन तिराहा चौक का नाम अब 'बिरसा मुंडा चौक' होगा...
2. गोंडवाना भवन पर बिरसा मुंडा की भव्य प्रतिमा व पार्क का निर्माण किया जाएगा...
3. साथ ही खड़गवां में आदिवासी भवन निर्माण की भी घोषणा की...

संपूर्ण जिले में जनभागीदारी, आयोजन को बताया ऐतिहासिक

कोरिया जिले के सभी विकासखंडों में प्रभात फेरी,देवगुड़ी पूजा, सांस्कृतिक कार्यक्रम,योजनाओं के विशेष शिविर,परिजनों का सम्मान और जन जागरूकता यात्रा आयोजित की गयी,जनजातीय समाज के वरिष्ठों,युवाओं और बच्चों ने अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने दी ऐतिहासिक सौगातें, वर्चुअल संबोधन पूरे जिले में प्रसारित

जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात से वर्चुअल जुड़कर राष्ट्र को संबोधित किया,प्रधानमंत्री ने कहा कि बिरसा मुंडा केवल व्यक्तित्व नहीं,बल्कि आदिवासी स्वाभिमान,संघर्ष और सांस्कृतिक चेतना के अमर प्रतीक हैं। पीएम ने मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले को कई विकास कार्य सौंपे एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय,भरतपुर का शिलान्यास, बुंदेली, बोडेमुडा,खड़गवां,लालपुर, खोंगापानी,देवगढ़ और माड़ीसरई में नए छात्रावास/हॉस्टल बहुउद्देशीय केंद्र,मट्ठा का शिलान्यास,प्रधानमंत्री का संदेश जिले के सभी प्रमुख आयोजनों में प्रसारित हुआ।

मांदर की थाप पर झूमे स्वास्थ्य मंत्री

मुख्य समारोह में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बूढ़ादेव और जनजातीय पूर्वजों की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया और बिरसा मुंडा तथा छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित किया, मंत्री जायसवाल ने अपने प्रखर उद्बोधन में कहा जनजातीय परंपरा हमारी आत्मा है,हमारी शक्ति है,इसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना हमारा कर्तव्य है,यह दिवस केवल उत्सव नहीं, हमारे स्वाभिमान और गौरव का पर्व है। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ और जिले के लिए दी गई सौगातों की सराहना करते हुए विकास कार्यों का उल्लेख किया,जल जीवन मिशन के तहत तेज़ी से पहुँचता नल-जल,पीएम जन धन योजना में 103 नई सड़कों का निर्माण,जनजातीय क्षेत्रों में 415 किलोमीटर सड़क निर्माण,धरती आबा अभियान से हजारों परिवारों तक पहुँचती योजनाएँ,191 गांवों में पेयजल उपलब्धता।

कोरिया जिला मुख्यालय में भी हुआ बड़ा आयोजन,पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल हुए शामिल

कोरिया जिला मुख्यालय में आयोजित समारोह में छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन,संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि रहे, उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष,जीवन और बलिदान की कहानी नई पीढ़ी तक पहुँचाना आवश्यक है,मंत्री अग्रवाल ने प्रधानमंत्री द्वारा 2021 में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित करने के निर्णय को ऐतिहासिक बताया और कहा कि राज्य सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में जनजातीय कला और इतिहास को संरक्षित करने अनेक कदम उठा रही है,उन्होंने पीएम जनमन अभियान,धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय और एआई आधारित जनजातीय भाषा ऐप में गोंडी भाषा को जोड़े जाने को जनजातीय गौरव का अध्याय बताया।

सम्मान एवं वितरण कार्यक्रम, जिला स्तर पर जनजातीय प्रतिभाओं को मिला सम्मान-

मनेंद्रगढ़ के मुख्य समारोह में जनजातीय समाज के विशिष्ट प्रतिभागियों को शाल,श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया फूलचंद पोया,मूलचंद मार्को कबड्डी,रामजीत लकड़ा लोक गायक,मुकेश चंद्र भानू, शीतल सिंह,सोमारू पंडो कला एवं सेवा,अमृत सिंह,सिलोचना सिंह नशा मुक्ति कार्य,वितरण कार्यक्रम,किसानों को सरसों मिनीकिट, पात्र परिवारों को आवास चाबी वितरण किया गया।

शहर के चौक-चौराहों पर भीख मांगते बच्चे, अधिकारी आखिर किस नींद में सोए हैं?

कानून किताबों में, बच्चे सड़क पर... सबसे बड़ा विरोधाभास

बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम कानून कहता है कि हर भिक्षा करते बच्चे को रेस्क्यू किया जाए, परिवार की आर्थिक स्थिति का मुआयना हो, शिक्षा व पुनर्वास की गारंटी हो लेकिन सूरजपुर में कानून केवल फाइलों में बंधा पड़ा है,मासूम बच्चे रोज़ कानून की लाचारी का मजाक उड़ाते हुए सड़क पर खड़े हैं,क्या अधिकारी केवल कुर्सी बचाने में माहिर हैं? या बच्चों की जिंदगी उनकी प्राथमिकता में है ही नहीं? आज सवाल यह नहीं है कि बच्चे भीख क्यों मांग रहे हैंज सवाल यह है कि अधिकारी कब तक देख-सुनकर भी अनदेखा करते रहेंगे?

सूरजपुर की सच्चाई कड़वी है...

यहाँ बच्चे सड़क पर छोड़ दिए जाते हैं और फाइलें एसी कमरों में पलटी जाती हैं।,जब तक सिस्टम जागेगा नहीं,ये नन्हे हाथ रोज़ हर चौराहे पर जिल्लत का कटोरा थामे खड़े रहेंगे,और हम सब तमाशबीन बने रहेंगे।

सूरजपुर में महिला एवं बाल विकास विभाग की घोर लापरवाही उजागर...

बच्चे सड़क पर, अधिकारी कागज पर, यह कैसी विकास की तस्वीर ?

सूरजपुर में बाल भिक्षावृत्ति बेकाबू...महिला एवं बाल विकास विभाग पूरी तरह विफल...

नन्हे हाथ भीख में व्यस्त...सिस्टम चैन की नींद में...शर्म करो अधिकारी...

कानून किताबों में...बच्चे सड़क पर...किसका विकास...किसकी जिम्मेदारी ?

-ओंकार पांडेय-
सूरजपुर, 16 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। शहर के चौक-चौराहों पर फैली असंवेदनशीलता का सबसे शर्मनाक दृश्य आज हमारा सिस्टम खुद बन चुका है,हर दिन सूरजपुर की सड़कें इस सच की गवाह हैं कि हमारे अधिकारी कागजी योजनाओं में व्यस्त हैं और बच्चों का बचपन सड़क पर बिखर रहा है।

बच्चे सड़क पर...और अधिकारी मीटिंग में...

सूरजपुर शहर के प्रमुख स्थानों बस स्टैंड, अस्पताल चौराहा, कलेक्ट्रेट रोड और मार्केट एरिया में मासूम बच्चे हाथ फैलाए नजर आते हैं, ये वे बच्चे हैं जिन्हें किताबें थामी होनी चाहिए थी, लेकिन वे मजबूरी में भीख मांग रहे हैं, और प्रश्न यह है, क्या महिला एवं बाल विकास विभाग की आँखें बंद हैं, या जानबूझकर मुंह फेर रखा है?

लाखों का बजट,जमीन पर शून्य काम,यह कैसी व्यवस्था ?

पिछले वर्ष विभाग को बाल संरक्षण, पोषण, और पुनर्वास योजनाओं के लिए लाखों रुपये का बजट जारी हुआ,पर शहर में न रेस्क्यू अभियान दिख रहा है,न पुनर्वास की कोशिश,न निगरानी,यह साफ संकेत है कि कागजों पर योजनाएं चमक रही हैं,और सड़क पर बच्चे दम तोड़ रहे हैं।

सिस्टम की चुप्पी, क्या यह मूक समर्थन है ?

जहाँ-जहाँ अधिकारी रोज़ गुजरते हैं,वहीं बच्चे भीख मांग रहे हैं,इसके बावजूद कार्रवाई का एक भी उदाहरण सामने नहीं आता,यह चुप्पी क्या दर्शाती है? संवेदनहीनता? प्रशासनिक विफलता? या फिर योजनाओं के नाम पर केवल खानापूर्ति?

जब सच थक गया, सत्ता जीत गई और शिक्षा का भविष्य बेचैन खड़ा रह गया!

दैनिक घटती-घटना की लगातार कोशिशें भी बेअसर...प्रशासन की जिद के आगे सच बेबस

प्रशासन की जिद,महाविद्यालय की चुप्पी और पत्रकारिता की असफल कोशिश

दैनिक घटती-घटना ने हार नहीं मानी, पर परिणाम धरातल पर नहीं आया

लेकिन अफसोस,यहाँ व्यवस्था की दीवारें इतनी मजबूत थीं कि सच की आवाज उन तक पहुँच ही नहीं पाई...

अंतिम पड़ाव पर महाविद्यालय भूमि विवाद...अंतिम लड़ाई...और अंतिम खबर

-रवि सिंह-

कोरिया,16 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

हर लड़ाई तलवार से नहीं लड़ी जाती,कुछ लड़ाइयां कागज़ों पर लड़ी जाती हैं तथ्यों से, सबूतों से,आवाज़ों से,लेकिन जब सामने एक ऐसी व्यवस्था खड़ी हो जो सुनने की इच्छा तक नहीं रखती,तो सच भी चीख-चीखकर थक जाता है,महाविद्यालय की जमीन पर कब्जे का यह मसला सिर्फ जमीन का विवाद नहीं था यह आने वाली पीढ़ियों की शिक्षा का प्रश्न था,वह भूमि जहां विद्यार्थियों के सपने पनपने थे,वहां अब सत्ता की ईंटें गाड़ दी गई,दैनिक घटती-घटना ने महीनों तक बिना थके हर दस्तावेज़ खोला,हर नक्शा उजागर किया, हर सच्चाई सामने रखी,इतनी पूरी ईमानदारी से कि सवाल उठाने वालों के हाथ नहीं कांपे,पर जवाब देने वाले कभी सामने ही नहीं आए,आज यह खबर अंतिम इसलिए है क्योंकि रास्ते बंद हो चुके हैं,लड़ाई की ऊर्जा चूक चुकी है, और जिस सच को बार-बार उठाया गया वह सत्ता की बहरापन के सामने कमजोर पड़ गया पर इतिहास एक दिन यह जरूर पूछेगा शिक्षा की जमीन पर कब्जा किसने किया? सत्ता क्यों अड़ी रही? प्रबंधन क्यों चुप रहा? और सच बोलने वालों को ही क्यों सजा मिली? यह अंतिम खबर है पर यह अंतिम सवाल नहीं।

महाविद्यालय की जमीन बचाई जा सकती थी पर बचाई नहीं गई,जिन्हें अदालत जाना था,वे चुप रहे,और जिन्हें चुप रहना था,वे अदालत पहुँचे,लेकिन असफल रहे, छात्रों के भविष्य की रक्षा के लिए की गई जनहित याचिका भी खारिज कर दी गई और जमानत राशि तक जब्त कर ली गई, अग्रणी रामानुज प्रताप सिंहदेव महाविद्यालय की 46 वर्ष पुरानी जमीन पर अब पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निर्माण जारी है,महाविद्यालय से एनओसी नहीं ली गई, विरोध को दरकिनार कर दिया गया, और 2017 का नजरी नक्शा,जिसमें खसरा क्रमांक 288 व 289 को स्पष्ट रूप से महाविद्यालय क्षेत्र बताया गया है उसे भी अनदेखा कर दिया गया,दैनिक घटती-घटना ने महीनों तक इस मुद्दे को शहर का सबसे महत्वपूर्ण जनहित प्रश्न मानकर कवरेज की दस्तावेज पेश किए,प्रमाण दिखाए, विरोध को आवाज दी लेकिन प्रशासन की जिद और महाविद्यालय प्रबंधन की चुप्पी के आगे पत्रकारिता भी आखिरकार असफल साबित हुई, आज प्रशासन,राजनीति और व्यवस्था–तीनों ने अपना रुख बदलने से मना कर दिया है, इसीलिए यह खबर महाविद्यालय भूमि विवाद की अंतिम खबर मानी जा रही है।

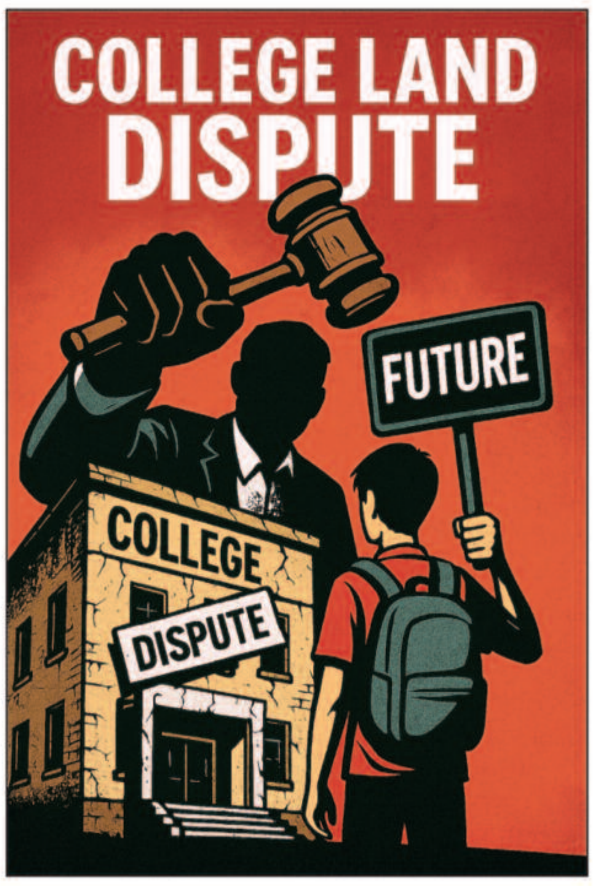

पत्रकारिता ने जिम्मेदारी निभाई, पर व्यवस्था के सामने टिक न सकी...दैनिक घटती-घटना ने...

- 2017 का नजरी नक्शा उजागर किया...
- खसरा 288 और 289 की वास्तविक स्थिति बताई...
- महाविद्यालय के पुराने भवन,कक्षाओं और कब्जे की ग्राउंड रिपोर्ट दी...
- प्रशासन की असंगतियों को सबूतों सहित उठाया...
- छात्रों,संगठनों और समाज की आवाज को मंच दिया...

मामले का सार...

- महाविद्यालय की भूमि पर निर्माण को लेकर महीनों विवाद...
- दैनिक घटती-घटना ने सभी दस्तावेज व नक्शा सार्वजनिक किया...
- प्रशासन अपनी ही बात दोहराता रहा...सुनवाई नहीं...
- महाविद्यालय प्रबंधन पूरी तरह मौन...
- जनहित याचिका खारिज...जमानत राशि जब्त...
- विरोध धीरे-धीरे ठंडा पड़ा...
- कागज़ों में सच था...ज़मीन पर परिणाम गायब...
- यह रिपोर्ट अब इस मुद्दे की अंतिम खबर मानी जा रही है...

दैनिक घटती-घटना ने इस मामले को केवल जमीन का विवाद नहीं,आने वाली पीढ़ियों की शिक्षा,विस्तार,सुविधाओं और अधिकारों के प्रश्न के रूप में उठाया

बता दे की शहर के सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे महाविद्यालय की जमीन पर हो रहे कब्जे,को लेकर दैनिक घटती-घटना ने पिछले कई महीनों से लगातार समाचार प्रकाशित किए, हर तथ्य,हर दस्तावेज,हर नजरी नक्शा और हर आपत्ति को पूरी ईमानदारी,पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ सामने रखा गया,लेकिन सच यह है कि जब प्रशासन सुनना ही नहीं चाहता,तो सच बोलने वाला भी आखिरकार थक ही जाता है, महाविद्यालय की जमीन पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के निर्माण के सवाल पर जहाँ प्रशासन लगातार अपनी ही रट दोहराता रहा, वहीं महाविद्यालय का प्रबंधन शुरुआत से अंत तक पूर्ण मौन में डूबा रहा, दैनिक घटती-घटना ने इस पूरे मामले को शहर का सबसे प्रमुख जनहित मुद्दा मानकर कवर किया क्योंकि यह सिर्फ जमीन का मामला नहीं था, यह आने वाली पीढ़ियों की शिक्षा,विस्तार,सुविधा और अधिकारों का प्रश्न था,लेकिन अब,जब अदालत ने जनहित याचिका खारिज कर दी,जब जमानत राशि तक जब्त कर ली गई,जब विरोध करने वाले थक कर बैठ गए,और जब प्रशासन अपनी बात के अलावा कुछ सुनने को तैयार नहीं तो इस मुद्दे की लड़ाई कागजों पर जीतने के बावजूद जमीन पर हार गई, प्रशासन का रवैया-सवाल कितने भी हों,जवाब हमेशा एक ही, 'सब ठीक है' और यह 'सब ठीक है' इस शहर का सबसे बड़ा झूठ साबित हुआ।

महाविद्यालय प्रबंधन...जमीन उनकी... भविष्य उनका...पर मौन क्यों?

मानो यह संघर्ष किसी और दुनिया का हो,कौन सा भय था? कौन सा दबाव था? या फिर स्वार्थ इतना बड़ा था कि शिक्षा की जमीन भी उनसे बोलने को मजबूर न कर सकी? फिर आया न्याय का दरवाज़ा–जिसके सामने लोग उम्मीद लेकर खड़े थे पर इस बार न्याय ने दरवाजा खोला ही नहीं–जनहित याचिका खारिज,जमानत राशि जब्त,और जो लोग लड़ रहे थे उनके हाथों से उम्मीद फिसलकर गिर गई,सच का कद छोटा नहीं था लेकिन व्यवस्था की दीवारें उससे कहीं ऊँची थीं,और सबसे दुखद सच यह है हार पत्रकारिता की नहीं हुई,हार उस सिस्टम की हुई जो जनता की आवाज़ सुनने के लिए ही बना था।

'हमारा विचार' जब सच भी हार जाए...

कुछ लड़ाइयां अदालतें नहीं,नीयतें तय करती हैं,कोरिया के महाविद्यालय भूमि विवाद में यही साबित हुआ,46 वर्ष पुराने महाविद्यालय की जमीन, जो भविष्य में शिक्षा का स्तंभ बन सकती थी,वह आज प्रशासनिक निर्णयों और प्रक्रियागत खामियों की भेंट चढ़ चुकी है, जिस जमीन पर छात्र पढ़ते थे,कक्षाएं चलती थीं,मैदान था,उसी पर अब पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निर्माण हो रहा है,सबसे चिंताजनक यह नहीं कि निर्णय गलत है,चिंता इस बात की है कि महाविद्यालय प्रबंधन मौन क्यों रहा? जबकि छात्रों,संगठनों,समाज और मीडिया ने आवाज उठाई,दैनिक घटती-घटना ने इस मुद्दे को शहर की सबसे बड़ी जन-चिंता समझकर पूरी निष्ठा से दस्तावेज,नक्शे,तथ्य और सच्चाई सामने रखी,लेकिन जब प्रशासन सुनने को तैयार न हो,प्रबंधन खड़ा न हो,और जनप्रतिनिधि बोलने को तैयार न हों,तो सच भी हार जाता है,यह मामला सिर्फ जमीन का नहीं था, यह शिक्षा के भविष्य का था,और दुर्भाग्य से आज कोरिया ने अपने ही भविष्य को खो दिया,यह भावनात्मक समाचार पत्रकार का अंतिम विवरण है,इतिहास गवाह रहेगा कि जब बाकी सब चुप थे,एक अखबार का पत्रकार आखिरी सांस तक सच बोलता रहा।

जो नहीं होना चाहिए था, वह हो चुका है...

महाविद्यालय की जमीन पर निर्माण जारी है,महाविद्यालय प्रबंधन अब भी चुप है, राजस्व विभाग अपनी फाइलों से बाहर नहीं झांक रहा, जनप्रतिनिधि मौन आशीर्वाद में लगे हैं, प्रशासन 'निर्णय बदलना कमजोरी है' की नीति पर अड़ा है और पत्रकारिताजसिर्फ इतना कह सकती है हमने अपनी जिम्मेदारी निभाई,पर परिणाम हमारे हाथ में नहीं था।

यह इस मुद्दे पर अंतिम खबर है...

सभी रास्ते बंद होने और सभी प्रयास असफल होने के बाद दैनिक घटती-घटना यह स्पष्ट कहता है अब इस मामले में कुछ नहीं हो सकता, इसलिए यह खबर इस महाविद्यालय भूमि विवाद की अंतिम खबर है, फिर भी, इतिहास इतना तो जरूर याद रखेगा कि जब सभी चुप थे, तब एक अखबार सच बोलने की कोशिश कर रहा था।

CMYK

श्रीदेवी-माधुरी को दी टक्कर...कुमार सानू से अफेयर...

मीनाक्षी शेषाद्री ने 1983 में हीरो और दामिनी जैसी फिल्मों से बॉलीवुड में पहचान बनाई। कई बड़े सितारों के साथ काम करने के बाद,उन्होंने डायरेक्टर राजकुमार संतोषी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया और अचानक फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी। उन्होंने बैंकर हरीश मैसूर से शादी की और टेक्सास में बस गईं। कुमार सानू के साथ उनके अफेयर की खूब चर्चा थी।

» करियर के पीक पर छोड़ा बॉलीवुड,अब कहां हैं मीनाक्षी शेषाद्री

» ट्रेंड भरतनाट्यम डांसर थीं मीनाक्षी शेषाद्रि

» 17 साल की उम्र में बनी थीं मिस इंडिया

» डायरेक्टर ने किया था मीनाक्षी को प्रपोज

मीनाक्षी शेषाद्री ने साल 1983 में बॉलीवुड फिल्म पेंटर बाबू से डेब्यू किया था। हालांकि ठीक इसी साल रिलीज हुई फिल्म हीरो जिसमें वो जैकी श्रॉफ के साथ नजर आईं से उनको फेम मिला। लेकिन वो फिल्म दामिनी थी जो उनके करियर की मील का पत्थर साबित हुई। मीनाक्षी ने इस तरह हीरो और घातक जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया लेकिन फिर अचानक से गायब हो गईं।

मीनाक्षी के प्यार में पड़े राजकुमार

मीनाक्षी को बचपन से ही कला और संस्कृति का बेहद शौक था। वह बचपन से ट्रेंड भरतनाट्यम डांसर थीं। मीनाक्षी ने मात्र 17 साल की उम्र में मिस इंडिया का खिताब जीता था। एक्ट्रेस ने अपनी दमदार परफॉर्मेंस से सभी के दिल पर छाप छोड़ी। उन्होंने आमिर खान, अमिताभ बच्चन, अनिल कपूर और सनी देओल जैसे बड़े सितारों के साथ काम किया। इसी दौरान डायरेक्टर राजकुमार संतोषी उनके प्यार में पड़ गए। मीनाक्षी ने साल 1990 में घायल में काम किया इसके बाद 1993 में वो घायल में नजर आईं।

बैंकर से की मीनाक्षी ने शादी

इन फिल्मों को राजकुमार संतोषी ने डायरेक्ट किया था और इसी दौरान उन्होंने मीनाक्षी को प्रपोज कर दिया। हालांकि, मीनाक्षी ने संतोषी का प्रपोजल तो ठुकरा दिया, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने बॉलीवुड को भी अलविदा कह दिया। इसके बाद न तो उनकी कोई फिल्म आई और ना ही वो किसी बॉलीवुड पार्टी या फंक्शन में नजर आईं। बॉलीवुड को अलविदा कहने के बाद मीनाक्षी ने हरीश मैसूर नाम के एक बैंकर से शादी कर ली। ये शादी न्यूयॉर्क में रजिस्टर कराई गई। दोनों शादी के बाद पूरे परिवार के साथ टेक्सास में रहते हैं। मीनाक्षी और हरीश के दो बच्चे हैं, एक का नाम केंद्रा और दूसरे का नाम जोश है।

कुमार सानू के साथ था अफेयर

वहीं बात करें मीनाक्षी शेषाद्री की लव लाइफ की तो खबर है कि एक्ट्रेस कुमार सानू को डेट कर रही थीं। कुमार सानू ने दो शादियां की थीं और कहा तो ये तक जाता है कि उनकी पहली शादी रीता के साथ इसलिए टूटी क्योंकि उन्हें शक था कि कुमार सानू का किसी के साथ अफेयर है। कुमार सानू की मुलाकात मीनाक्षी शेषाद्रि से महेश भट्ट की फिल्म जुर्म के प्रीमियर शो में हुई थी। दोनों ने तीन साल तक डेट किया। फिलहाल मिनाक्षी टेक्सास में डांस क्लास हैं और समय-समय पर अपनी पूरी टीम के साथ इवेंट्स का हिस्सा बनती हैं। वे कई बड़े कार्यक्रमों में अपनी टीम के साथ डांस कर चुकी हैं।

मुन्नी को इनसे दूर रखो...फोटो के लिए नंदमुरी बालकृष्ण ने पकड़ा हर्षाली का हाथ,फैंस ने सिकोड़ी भौंहें...

बजरंगी भाईजान की मुन्नी यानी हर्षाली मल्होत्रा 10 साल बाद सिल्वर स्क्रीन पर कमबैक कर रही हैं। उन्होंने हाल ही में अपने कमबैक का ऑफिशियल ऐलान किया था। हर्षाली,नंदमुरी बालकृष्ण के साथ अखंडा 2 में नजर आएंगी। हाल ही में इस फिल्म का गाना थांडवम लॉन्च किया गया। एक इवेंट में इस गाने को लॉन्च किया गया और इस दौरान अखंडा 2 की पूरी टीम साथ नजर आई। हर्षाली मल्होत्रा और नंदमुरी बालकृष्ण भी इस सॉन्ग लॉन्च इवेंट का हिस्सा बने। इस दौरान नंदमुरी बालकृष्ण ने हर्षाली के साथ कुछ ऐसा किया, जिसे लेकर अब वह ट्रोल्स के निशाने पर आ गए हैं।

नंदमुरी बालकृष्ण की हरकत पर भड़के यूजर

इवेंट के दौरान हर्षाली मल्होत्रा, नंदमुरी बालकृष्ण के साथ स्टेज पर नजर आईं। इसी दौरान, फोटोज खिंचवाने के लिए नंदमुरी, हर्षाली का हाथ पकड़कर उन्हें अपनी तरफ खींचते हैं। इससे हर्षाली कुछ असहज नजर आती हैं। इसके अलावा एक अन्य वीडियो में भी नंदमुरी उन्हें अपनी ओर आने को कहते हैं और हर्षाली के चेहरे पर वही असहजता वाले हाव-भाव होते हैं। अब सोशल मीडिया पर ये वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिस पर यूजर प्रतिक्रिया देते हुई नंदमुरी की इस हरकत पर नाराजगी जता रहे हैं। यूजर्स एक्टर के इस बर्ताव पर नाराजगी जाहिर करते हुए हर्षाली को उनसे दूर रखने की बात कह रहे हैं।

नंदमुरी बालकृष्ण का व्यवहार यूजर्स को नहीं आया रास

वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा- प्लीज... इस बच्ची को इस आदमी से दूर ही रखो। एक अन्य ने लिखा- हर्षाली के चेहरे पर तो मुस्कान है, लेकिन आंखों में असहजता और डर साफ नजर आ रहा है। एक और लिखता है- उसे ऐसे खींच रहे हैं, जैसे कोई फर्नीचर हो। ऐसे ही कई अन्य कमेंट्स वीडियो के कमेंट सेक्शन में देखने को मिले, जिससे एक बात तो जाहिर है कि हर्षाली के फैंस और अन्य सोशल मीडिया यूजर्स को नंदमुरी का ये बर्ताव बिलकुल पसंद नहीं आया।

हाथ में त्रिशूल लिए बैल पर सवार दिखे महेश बाबू

राजामौली की वाराणसी से सुपरस्टार का धांसू लुक आया सामने

एसएस राजामौली की अगली बड़ी फिल्म वाराणसी को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त बज बना हुआ है। हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में एक बड़े इवेंट में लंबे समय से इंतजार के बाद प्रियंका चोपड़ा और महेश बाबू की मोस्ट अवेटेड मूवी का टीजर दिखाया। साउथ सुपरस्टार महेश बाबू और मशहूर फिल्म मेकर एसएस राजामौली साथ में बड़े पर्दे पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। राजामौली की अपकमिंग फिल्म का नाम अब वाराणसी रखा गया है। फिल्म का टाइटल और महेश बाबू का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है, जो लोगों को बहुत पसंद आ रहा है।

वाराणसी से महेश बाबू का पहला लुक

इस इवेंट में प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी मौजूद रहे। एक्ट्रेस प्रियंका और पृथ्वीराज का लुक पहले ही सामने आ चुके था, लेकिन अब महेश बाबू का फर्स्ट लुक सामने आने के बाद फैंस की एक्साइटिंग आसमान छू रही है। पोस्टर में महेश बाबू बैल पर सवार हाथ में त्रिशूल लिए नजर आ रहे हैं। उनका ये रौद्र रूप इस वक्त इंटरनेट पर चर्चा में बना हुआ है। वहीं, गूगल पर ट्रेंड कर रहा है। उनका यह लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं,राजामौली ने महेश बाबू का लुक शेयर करते हुए लिखा, महेश बाबू वाराणसी में रुद्र के रूप में।

आर माधवन को शूटिंग सेट पर किस बात से लगता है डर?

आर माधवन ने फिल्म इंडस्ट्री ही नहीं, बल्कि लोगों के दिलों में भी अपनी खास जगह बनाई है। चाहे तमिल सिनेमा हो या बॉम्बे फिल्म इंडस्ट्री, मणिरत्नम और राजकुमार हिरानी जैसे दिग्गज निर्देशकों के साथ काम करने से लेकर विभिन्न जॉनर की फिल्मों में अपनी प्रतिभा दिखाने तक,उन्होंने हर बार अपना हुनर साबित किया है। आर माधवन साल 2026 में फिल्म इंडस्ट्री में अपने 30 साल पूरे कर लेंगे। हाल ही में अजय देवगन, रकुल प्रीत और मीजान जाफरी के साथ रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म दे दे प्यार दे 2 में नजर आए अभिनेता ने फिल्म के सेट पर होने वाली अपनी एंग्जायटी के बारे में बात की। उन्होंने यह भी बताया कि हर नई फिल्म के साथ उनका यह डर पहले से ज्यादा बढ़ जाता है।

आर माधवन को किस बात का डर है...

मिर्ची प्लस के साथ एक बातचीत में उन्होंने अपने डर के बारे में बताया और कहा, इन दिनों, जब भी मैं सेट पर जाता हूं,मुझे पहले से ही बहुत बड़ा डर लगता है। पहले दिन मुझे लगता है कि हर कोई मुझे देख रहा है और सोचते हैं... सब खत्म हो गया, मैडी का काम खत्म हो गया या वह अब एक्टिंग नहीं कर सकता। हर फिल्म के साथ यह और खराब होता जा रहा है। मुझे लगता है कि मेरे असिस्टेंट देख रहे हैं और कह रहे हैं कि अब टाइम हो गया है किसी और को जॉइन करने का इसे कुछ नहीं आता है। मेरा वो जो खौफ है न वो हर फिल्म में बढ़ता जाता है।

आर माधवन ने अजय देवगन की तारीफ

इसी बातचीत में माधवन ने अजय देवगन जैसे सुपरस्टार के साथ काम करने की खुशी भी शेयर की, जिनके साथ उन्होंने पहले हिट फिल्म शैतान और अब दे दे प्यार दे 2 में काम किया। उन्होंने कहा, जब मैंने उनके साथ शैतान की तो पहले दिन मैंने सोचा... बस उन्हें अकेला छोड़ दो क्योंकि शायद उन्हें बात करना और सब कुछ पसंद नहीं है, लेकिन एक बार जब वह कंफर्टेबल हो जाते हैं तो यह देखना बहुत मजेदार होता है कि वह क्या-क्या शेयर करते हैं। मुझे लगता है कि उन्हें समझने में थोड़ा समय लगता है, लेकिन उनकी मासूमियत और मेरी जिज्ञासा दोनों ही चीजें हमने बनाए रखी हैं और मुझे उन पर बहुत गर्व है।

फिल्मों से आर माधवन ने क्यों लिया 3 साल का ब्रेक?

माधवन ने पहले फिल्मों से तीन साल का ब्रेक लेने के बारे में बात की थी क्योंकि वह जिस तरह का काम कर रहे थे। उससे निराश थे और उससे जुड़ नहीं पा रहे थे। उन्होंने उस घटना के बारे में भी बात की थी, जिसकी वजह से उन्होंने यह फैसला लिया। उन्होंने कहा,मुझे ब्रेक लेना पड़ा क्योंकि मैं जिस तरह का काम कर रहा था, उससे मैं बहुत निराश हो गया था। मैं स्विट्जरलैंड में एक तमिल गाने की शूटिंग कर रहा था, ऑरेंज पैंट और ग्रीन शर्ट पहने हुए। मैं म्यूजिक पर नाच रहा था। मैं सड़क के बीच में था और मैंने देखा कि एक स्विस किसान हमें गुस्से से देख रहा था और अपना सिर हिला रहा था। मैंने उसकी तरफ देखा और कहा तुम चेन्नई आओ, मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि मैं कौन हूं। मुझे सच में बुरा लगा, लेकिन अचानक मुझे एहसास हुआ कि मैं सचमुच दूसरे लोगों के इशारों पर नाच रहा हूं।

खेल- समाचार

हर्षित और निशांत की धारदार बॉलिंग

>> राजकोट में खेले गए दूसरे अनौपचारिक वनडे में इंडिया ए ने साउथ अफ्रीका ए को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। साउथ अफ्रीका ए की टीम 132 रनों पर ऑल आउट हो गई, जिसके जवाब में इंडिया ए ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।

>> इंडिया ए ने साउथ अफ्रीका ए को 133 गेंद रहते ही मात

राजकोट,16 नवम्बर 2025। भारतीय टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच में हार मिली। कोलकाता में भारत जीत से 30 रन पीछे रह गया। वहीं कोलकाता से करीब 2000 किमी दूर राजकोट में इंडिया ए की टक्कर साउथ अफ्रीका ए से हुई। दोनों टीमों के बीच अनाधिकारिक वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला गया। इस मैच में इंडिया ए को 8 विकेट से एकतरफा जीत मिली। इसके साथ ही तिलक वर्मा की कप्तानी वाली इंडिया ए ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

साउथ अफ्रीका ए की बैटिंग पूरी तरह फेल

साउथ अफ्रीका ए ने टॉस जीतने के बाद पहले बैटिंग करते हुए बेहतरीन शुरुआत की। लुआन-ड्रे प्रीटोरियस और रिवाल्डो मूनसामी की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 39 रन जोड़े। 26 रन बनाने वाले प्रीटोरियस को आउट कर हर्षित राणा ने इंडिया ए को पहली सफलता दिलाई। 11वें ओवर में 59 के स्कोर पर साउथ अफ्रीका को रिवाल्डो के रूप में दूसरा झटका लगा। इसके बाद विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गया। निशांत सिंधु और हर्षित राणा ने साउथ अफ्रीकी बैटिंग की कमर तोड़ दी। जॉर्डन हेर्मन के साथ ही कप्तान मार्केस एकरमैन और सिनेथेम्बा केशिले दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाए। 73 के स्कोर पर आधी टीम पवेलियन लौट गई। डियान फॉरेस्टर और डेलानो पोटगीटर ने 34 रनों की साझेदारी करके टीम को 100 के पार पहुंचाया लेकिन उनके आउट होते ही साउथ अफ्रीका की पारी सिमट गई। 31वें ओवर में साउथ अफ्रीका ए 132 रनों पर ऑल आउट हो गई। रिवाल्डो ने सबसे ज्यादा 33 रन बनाए। बाएं हाथ के स्पिनर निशांत सिंधु ने 4 जबकि हर्षित राणा ने तीन विकेट लिए। प्रसिद्ध कृष्णा को भी दो विकेट मिले।

28वें ओवर इंडिया ए को मिली जीत

इंडिया ए को अभिषेक शर्मा ने तेज शुरुआत दी। दूसरी तरफ रुतुराज गायकवाड़ संभलकर खेल रहे थे। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 49 गेंद पर 53 रनों की साझेदारी हुई। 22 गेंद पर 6 चौकों की मदद से 32 रन बनाकर अभिषेक आउट हुए। इसके बाद क्रीज पर उतरे तिलक वर्मा ने रुतुराज का अच्छा साथ निभाया। दोनों के बीच 82 रनों की साझेदारी हुई। इंडिया ए ने 27.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। पहले मैच में शतक लगाने वाले रुतुराज ने 83 गेंद पर नाबाद 68 रन बनाए। उन्होंने 9 चौके मारे। तिलक वर्मा ने 62 गेंद पर 29 रनों का योगदान दिया।

हरिकृष्णा पांचवें राउंड के टाईब्रेक में हारे

पणजी,16 नवम्बर 2025। रविवार को यहाँ ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा के ग्रैंडमास्टर जोस एडुआर्डो मार्टिनेज अलकांतारा के खिलाफ पाँचवें दौर के टाईब्रेक में हारने के बाद, स्न्नढ्ढष्ठश्व विश्व कप 2025 में भारत की उम्मीदें पूरी तरह से दूसरे वरीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी पर निर्भर होंगी। अर्जुन ने दो क्लासिकल गेम्स में दो बार के चैंपियन ग्रैंडमास्टर लेवोन अरोनियन को 1.5¬0.5 से हराया था, लेकिन हरिकृष्णा को दोनों क्लासिकल गेम्स ड्रॉ होने के बाद मार्टिनेज के खिलाफ टाईब्रेक जीतना पड़ा।

पहले दो रैपिड गेम्स, जिनमें 15 मिनट का टाइम कंट्रोल था, भी ड्रॉ पर समाप्त हुए। 10 मिनट के टाइम कंट्रोल वाले रैपिड गेम्स के अगले सेट में, हरिकृष्णा ने सफ़ेद मोहरों से जीत के लिए ज़ोर लगाया और 14 चालों के बाद अपनी घड़ी में लगभग एक मिनट जोड़ने के लिए अपनी तैयारी पर भरोसा किया। लेकिन मार्टिनेज अपने जवाबी हमले के लिए तैयार थे और धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से स्थिति पर नियंत्रण पा लिया, जब भारतीय खिलाड़ी ने रानियों का आदान-प्रदान किया और मार्टिनेज ने 59 चालों के बाद रूक-पॉन एंडगेम में गेम जीत लिया। हरिकृष्णा को दूसरे गेम में काले मोहरों से जीतना ज़रूरी था, लेकिन वे केवल ड्रॉ ही कर पाए और 30 चालों में ही प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

जूनियर महिला अकादमी चैंपियनशिप: घुमनहेड़ा राइजर्स,राजा करण ने दर्ज की जीत

करनाल,16 नवम्बर 2025। तीसरी हॉकी इंडिया जूनियर महिला अकादमी चैंपियनशिप 2025 - ज़ोन ए और बी रविवार को हरियाणा के करनाल स्थित कैलाश हॉकी स्टेडियम में रोमांचक मुकाबलों के साथ शुरू हुई। घुमनहेड़ा राइजर्स अकादमी, राजा करण हॉकी अकादमी, राउंडग्लास पंजाब हॉकी अकादमी, सिटीजन हॉकी इलेवन और ओडिशा नवल टाटा हॉकी हाई परफॉर्मेंस सेंटर ने अपने-अपने मैचों में जीत हासिल की। घुमनहेड़ा राइजर्स अकादमी ने दिन की शुरुआत पूल सी में तमिलनाडु हॉकी अकादमी के खिलाफ दीपिका के चार गोल (11%, 26%, 38%, 46%) की बदौलत 16-0 की शानदार जीत के साथ की। निशा (4%, 7%, 21%), दुर्गा (31%, 32%, 35%) और प्रिया (14%, 44%, 54%) ने हैट्रिक बनाई, जबकि दीया (39%, 42%) और पूजा (59%) ने भी गोल किए।

भारत की शानदार शुरुआत,मीनाक्षी,प्रीति, अंकुश और नरेंद्र का पदक पक्का हुआ

नोएडा,16 नवम्बर 2025। विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल 2025 का पहला दिन भारतीय मुक्केबाजों के लिए बेहतरीन रहा। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जा रहे टूर्नामेंट में मीनाक्षी, प्रीति,अंकुश और नरेंद्र ने अपने-अपने वर्ग में जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाकर पदक पक्का कर लिया। विश्व चैंपियनशिप लिवरपूल 2025 की स्वर्ण पदक विजेता मीनाक्षी (48 किग्रा) ने कजाकिस्तान की बोल्ट अकबोटा के खिलाफ जीत दर्ज की। वहीं प्रीति (54 किग्रा) ने उज्बेकिस्तान की पूर्व युवा विश्व चैंपियन निगिना उत्तामोवा को हराया। अंकुश फंगल (80 किग्रा) की जापान के गो वाकाया के खिलाफ शुरुआत थोड़ी संघर्षपूर्ण रही थी, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। नरेंद्र बेरवाल ने (90+ किग्रा वर्ग में) यूक्रेन के एंड्री खालेत्स्की को हराया। टूर्नामेंट के दूसरे दिन 90 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में नवीन कुमार का सामना कजाकिस्तान के दिग्गज तंगातर बेकजात से होगा। शाम को होने वाले तीसरे सत्र में भारत के दो बड़े मुकाबले होंगे। विश्व मुक्केबाजी कप ब्राजील 2025 में पदक जीतने वाले विजेता जदुमणि सिंह (50 किग्रा) का मुकाबला कजाकिस्तान के ओंगारोव नूरजात से होगा। वहीं हितेश (70 किग्रा) का मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त सेवोन ओकाजावा से होगा।

भारतीय फुटबॉल को बेहतर युवा कोचिंग की जरूरत

कोलकाता,16 नवम्बर 2025। फीफा विश्व कप विजेता जर्मन दिग्गज लोथर मैथॉस ने शहर के अपने दौरे के दौरान भारतीय फुटबॉल के भविष्य के लिए एक स्पष्ट संदेश दिया और इस बात पर ज़ोर दिया कि देश की प्रगति जमीनी स्तर पर कोचिंग की गुणवत्ता में सुधार पर निर्भर करती है। विश्व मंच पर छोटे देशों की हालिया उपलब्धियों पर विचार करते हुए,मैथॉस ने केप वर्डे के 2026 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का ज़िक्र किया। उन्होंने यहाँ संवाददाताओं से कहा, उदाहरण के लिए,जब आप केप वर्डे को देखते हैं,तो उन्होंने (फीफा विश्व कप 2026 के लिए) क्वालीफाई किया है। यह 5,00,000 लोगों वाला देश है और फिर मैं आपसे पूछता हूँ,आप मुझे यह नहीं बताएँगे कि उनके पास भारत के खिलाड़ियों से बेहतर और ज़्यादा प्रतिभाएँ हैं, लेकिन आपको महासंघ, सरकार, फुटबॉल क्लबों और अकादमियों के साथ मिलकर बहुत अच्छा काम करना होगा और आपको सही शिक्षक ढूँढने होंगे, शिक्षक का मतलब कोच होता है।

सुशासन और जनविश्वास के साथ छत्तीसगढ़ बना अव्वल : सीएम साय

रायपुर, 16 नवम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि सुशासन, पारदर्शिता और जनविश्वास के बल पर छत्तीसगढ़ आज पूरे देश में 'टॉप अचीवर स्टेट' के रूप में स्थापित हुआ है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार पारदर्शी प्रशासन,सरल प्रक्रियाओं और उद्योग-अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देकर छत्तीसगढ़ को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार की नीतियों का प्रत्यक्ष प्रभाव व्यवसाय, औद्योगिक विकास और निवेश बढ़ोतरी के रूप में सामने आया है। नवीन कार्यशैली, प्रशासनिक सुधार और लोगों के बीच विश्वास ने छत्तीसगढ़ की पहचान को राष्ट्रीय पटल पर मजबूत किया है।

उद्योग संगम में छत्तीसगढ़ की मजबूत उपस्थिति

हाल ही में आयोजित इंडस्ट्री संगम में छत्तीसगढ़ ने पूरे देश के सामने अपनी औद्योगिक क्षमता, निवेश के अवसर और उद्यम-अनुकूल नीति ढांचा प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश का औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी, संसाधनों की उपलब्धता और सुगम प्रशासन ने राज्य को औद्योगिक मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाया है। इंडस्ट्री संगम में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने छत्तीसगढ़ में निवेश रुचि व्यक्त की, जिसे सीएम ने राज्य के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया।

छत्तीसगढ़ सुशासन और जनविश्वास का मॉडल बना : विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य में सुशासन सिर्फ एक नारा नहीं है, बल्कि यह शासन की कार्यप्रणाली का आधार बन चुका है। पारदर्शिता बढ़ाने, फाइल प्रक्रियाओं को सरल बनाने और आम नागरिकों तक सेवाएं समय पर पहुंचाने के लिए बड़े सुधार किए गए हैं। इससे जनता के मन में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है और विकास कार्यों में गति आई है।

निवेश और रोजगार के नए अवसर : सीएम साय ने कहा कि राज्य में उद्योग-धंधों के विस्तार से रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे। सरकार का लक्ष्य है कि गांवों से शहरों तक प्रत्येक क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां बढ़ें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निवेश को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाने के लिए तकनीक आधारित समाधान लगातार बढ़ाए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के विकास की नई पहचान

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ आर्थिक और औद्योगिक विकास का राष्ट्रीय केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य का प्रगति मॉडल अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक साबित होगा।

बाएं की बजाए दाएं घुटने का कर दिया ऑपरेशन
हाईकोर्ट ने हाई पॉवर कमेटी गठित करने का दिया आदेश

रायपुर, 16 नवम्बर 2025। डॉक्टरों की गंभीर लापरवाही के मामले में हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। ईएसआईसी योजना के तहत इलाज करा रही एक गरीब महिला का बाएं घुटने की जगह दाएं घुटने का ऑपरेशन कर दिया गया था। बाद में गलती समझ आने पर बिना पूरी तैयारी के बाएं घुटने का भी ऑपरेशन कर दिया गया। स्थिति बिगड़ने पर महिला चलने-फिरने तक में असमर्थ हो गई। पहले बनी जांच समिति ने दोनों अस्पतालों को क्लीन चिट दे दी थी, लेकिन हाईकोर्ट ने इस रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि समिति न तो नियमों के अनुरूप बनाई गई थी और न ही अनिवार्य प्रक्रियाओं का पालन किया गया। कोर्ट ने साफ कहा कि ऐसी रिपोर्ट की कोई कानूनी वैधता नहीं है। इसके बाद अदालत ने कलेक्टर को निर्देश दिया है कि नियम 18 के अनुसार एक नई हाई-पावर कमेटी गठित की जाए और चार महीने के भीतर पूरे मामले की जांच पूरी की जाए। याचिकाकर्ता शोभा शर्मा ने बताया कि पहले उन्होंने लालचंदानी अस्पताल में इलाज कराया था, जहां से उन्हें आरबी इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस भेजा गया। यहीं गलत पैर का ऑपरेशन हुआ और आपत्ति दर्ज कराने पर दूसरा ऑपरेशन भी जल्दबाजी में कर दिया गया।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में मुठभेड़, 3 इनामी माओवादी मारे गए

सुकमा, 16 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के थाना भेज्जी एवं चिंतागुफा के सीमावर्ती क्षेत्र तुमालपाड़ जंगल हुए मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 3 माओवादियों को मार गिराया। जिसमें 2 महिला माओवादी सहित 3 माओवादी कैडरों के शव डीआरजी टीमों द्वारा बरामद किए गए हैं। इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने रविवार सुबह मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि 16 नवंबर को सुकमा जिले के थाना भेज्जी एवं चिंतागुफा के सीमावर्ती क्षेत्र के तुमालपाड़ जंगल एवं पहाड़ी इलाके में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर जिला रिज़र्व गार्ड (डीआरजी) की टीम द्वारा क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

सर्च अभियान के दौरान आज सुबह से डीआरजी जवानों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग हुई। तुमालपाड़ मुठभेड़ स्थल से अब तक 02 महिला माओवादी सहित कुल 03 माओवादी कैडर मारे गए हैं।

तीनों नक्सली इनामी : एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि मारे गए नक्सलियों की पहचान माड़वी देवा (5 लाख का इनामी) जनमिलिशिया कमांडर, स्नाइपर स्पेशलिस्ट एवं कोंटा एरिया कमेटी सदस्य, पोड़ियम गंगी (5 लाख का इनाम) कोंटा एरिया कमेटी सीएनएम कमांडर, सोढ़ी गंगी (5 लाख का इनाम) किस्टाराम की एरिया कमेटी सदस्य के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से .303 राइफल एवं अन्य हथियार, गोला-बारूद सामग्री भी बरामद की गई है। बस्तर आईजी पी सुन्दरराज पट्टलिंगम ने स्पष्ट कहा कि माओवाद अब बस्तर में अपने अंतिम चरण में हैं और माओवादी कैडरों के समक्ष हिंसा का मार्ग छोड़ कर सरकार की पुनर्वास नीति अपनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने चेतावनी दी कि संगठन की पकड़ टूट चुकी है और अब उनकी दहशत व भ्रम का षड्यंत्र बस्तर में नहीं चलेगा। आईजी ने बताया कि पुलिस, सुरक्षा बलों और विभिन्न हितधारकों की संयुक्त कार्रवाई से बस्तर में बचे हुए नक्सली ठिकानों का तेज़ी से सफाया किया जा रहा है। बस्तर रेंज में वर्ष 2025 में अब तक सेंट्रल कमेटी मेंबर्स, डीकेएसजेडसी मेंबर्स और पीएलजी काड्र्स सहित कुल 233 माओवादी मारे जा चुके हैं, जो माओवाद की निर्णायक पराजय का प्रमाण है। आसपास के इलाके में सुरक्षा बलों द्वारा व्यापक सर्चिंग की जा रही है।

यात्री बस और ट्रक के बीच जोरदार भिड़ंत, चालक का टूटा पैर कई लोग बुरी तरह हुए घायल

रायगढ़, 16 नवम्बर 2025। जिले से भीषण हादसे की खबर सामने आ रही है, यहां कापू मार्ग पर चिराईपानी लाखा के पास पूर्णागिरि बस और ट्रक की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है, चालक का बुरी तरह फंस गया और उसका पैर टूट गया। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार ट्रक ने रायगढ़ से कापू जा रही सवारी से भरी पूर्णागिरि बस को जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का ड्राइवर केबिन पूरी तरह धंस गया, जिसमें ड्राइवर बुरी तरह फंस गया और उसका पैर टूट गया। हादसे में दर्जनों यात्री घायल हुए हैं। तेज झटकों और शीशा टूटने से कई यात्रियों को छोटे-बड़े गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलते ही एएसपी आकाश मरकाम और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुँची। सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुँचाया गया है, जिनमें 2-3 की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी है।

6 दोस्तों ने गला घोंटकर युवक को मार डाला
शराब पीने के दौरान गाली-गलौज
पुलिस ने 6 आरोपियों को किया गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा, 16 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में युवक को डंडे से जमकर पीटा, फिर गला घोंटकर मार डाला। बताया जा रहा है कि गाली-गलौज करने के बाद विवाद बढ़ा। हत्या कर लाश फेंककर आरोपी भाग गए थे। मामला चांपा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम रोहित महंत है, जो चांपा का रहने वाला था। सभी दोस्तों ने शराब पीने के दौरान गाली-गलौज करने पर मर्डर की साजिश रची थी, फिर युवक की हत्या की। पुलिस ने 6 आरोपियों को अरेस्ट किया है। दरअसल, 15 नवंबर की रात करीबन 8 बजे सागर अपने साथियों के साथ शराब पीने की बात कह रहा था। घोघरा नाला के पास आपस में लड़ाई झगड़ा कर रहे थे। इस दौरान रोहित महंत ने सागर कर्ष को गालियां दी। इससे गुस्साए सागर कर्ष ने रोहित को 3-4 थप्पड़ मार दिए। मार खाने के बाद सागर मौके से चला गया। वहीं विवाद के बाद सागर कर्ष अपने दोस्त नागेश्वर नायडू, अश्वनी कुमार सतनामी, विजय श्रीवास, विनय कुर्रे, आकाश उर्फ अज्जू साहू के साथ बैठा था। घोघरा नाला नदी किनारे मुक्तिधाम के पास रात 9:30 बजे रोहित महंत दोबारा पहुंचा। इस दौरान सागर कर्ष और उसके दोस्तों को गाली-गलौज करने लगा।

5 दोस्तों ने पकड़कर रखा, सागर ने मारे डंडे

इस दौरान गाला-गलौज से फिर सागर और उसके दोस्त भड़क गए। सभी दोस्त एक राय होकर रोहित महंत को मारने की साजिश रची। रोहित महंत को सभी ने मिलकर जमकर पीटा। इस दौरान नागेश्वर, अश्वनी, विजय, विनय, आकाश और अज्जू ने रोहित के हाथ पैर को पकड़कर रखा। वहीं सागर कर्ष ने डंडे से रोहित महंत के सिर पर जोरदार हमला किया।

छत्तीसगढ़िया और परदेसिया के षडयंत्र के खिलाफ 7 दिसंबर को महासम्मेलन, जुटेंगे सर्वसमाज के लोग

रायपुर, 16 नवम्बर 2025। कुछ दिन पूर्व सिंधी समाज और अग्रवाल समाज के इष्टदेव के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की गई थी। इसके विरोध में अनेक समाज के लोग आए आए और थाने में रिपोर्ट लिखवाई। अब, सर्व समाज के लोग एकजुट हो गए हैं। छत्तीसगढ़िया और परदेसिया का षडयंत्र रचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की आवाज मुखर हो उठी है। प्रदेश में भाईचारा और सद्भावना बनाए रखने की पहल करते हुए अगले माह 7 दिसंबर को महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें सर्वसमाज के लोग जुटेंगे और शांति स्थापित करने की अपील की जाएगी।

षडयंत्र रचने वालों के भड़कावे में न आएं : लगभग चार वर्ष पहले रावणभाठा मैदान में देशव्यापी धर्मसभा का आयोजन करवाने वाली समिति के सदस्य नीलकंठ त्रिपाठी के नेतृत्व में 7 दिसंबर को दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में सर्व समाज का महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस महासम्मेलन में प्रदेश और देश में सर्व समाज के बीच आपसी सद्भावना बनाए रखने और अवांछित षडयंत्र रचने वालों से सावधान होने और असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई करने एकजुट होकर निर्णय लिया जाएगा। सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने और छत्तीसगढ़ की एकता और भाई-चारे की भावना जन-जन के मन में जगाने पर चर्चा की जाएगी। आम लोगों को प्रेरित किया जाएगा कि वे षडयंत्र रचने वालों के भड़कावे में न आएं। छत्तीसगढ़िया और परदेसिया के नाम पर समाज कों तोड़ने एवं आपस में लड़ाने का प्रयास करने वाले विधर्मी लोगों से सावधान रहने के लिए जागरूक किया जाएगा।

इष्टदेव का अपमान न हो : महासम्मेलन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की सामाजिक समरसता को बनाए रखने, सामाजिक सौहार्द्र एवं भाईचारा की भावना को बढ़ाना है, साथ ही किसी भी समाज की भावना आहत न हो, किसी इष्टदेव का अपमान न हो और भविष्य में कोई भी सामाजिक एकता को बिगाड़ने का दुस्साहस न कर सकें। इसके अलावा गणेश पर्व, दुर्गा पर्व अथवा अन्य तीज त्यौहार पर किसी भी प्रकार की फूहड़ता न हो। वैदिक पद्धति से त्यौहार मनाया जाए और भविष्य में पंडालों में विराजित की जाने वाली भगवान गणेश, दुर्गा देवी की मूर्तियों को वास्तविक स्वरूप में ही प्रतिष्ठापित करने तथा मूर्तियों का स्वरूप न बिगाड़ने पर चर्चा की जाएगी। सनातन धर्म का अपमान करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की जाएगी।

कांग्रेस ने किया कर्मचारियों पर एस्मा लगाए जाने का विरोध
दीपक बैज ने कहा...जल्द ही हमारे नेता धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण करने निकलेंगे

रायपुर, 16 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में सहकारी समितियों के हड़ताली कर्मचारियों पर सरकार द्वारा एस्मा लगाए जाने का कांग्रेस ने विरोध किया है। कांग्रेस का कहना है कि कर्मचारी लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन उनकी आवाज सुनने के बजाय सरकार ने सीधे एस्मा लागू कर दिया, जो पूरी तरह गलत है। कांग्रेस का आरोप है कि कर्मचारियों की समस्याओं को समझने की बजाय सरकार तानाशाही रवैया अपना रही है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा पिछले साल की तरह इस बार भी हमारे नेता धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण करेंगे। बैज ने कहा धान खरीदी केंद्रों के कर्मचारी हड़ताल पर हैं, सरकार ने मोदी गारंटी के नाम पर झूठ बोलकर सत्ता हासिल की, सरकार उनकी मांगों को पूरा करने की बजाय एस्मा लगाकर कार्रवाई की जा रही है, ये तानाशाही है। सरकार को उनसे बात करनी चाहिए, उनकी मांगों पर विचार करना चाहिए, बीच का रास्ता निकालना चाहिए, लेकिन सरकार की नियत साफ नहीं है इसलिए समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।

रायपुर में सहकारी समितियों के कर्मचारियों द्वारा चार सूत्रीय मांगों को लेकर की जा रही हड़ताल के बीच सरकार ने एस्मा लागू कर दिया है। शासन ने चेतावनी दी है कि धान खरीदी कार्य में बाधा डालने वाले कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लालखदान तालाब में दर्दनाक हादसा
नहाने गए चार बच्चों में से दो की डूबकर मौत

बिलासपुर, 16 नवम्बर 2025। रविवार की सुबह लाल खदान क्षेत्र में उस समय कोहराम मच गया जब नहाने गए चार मासूम बच्चों में से दो की तालाब में डूबकर मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना ग्राम पंचायत महमंद क्षेत्र के बेलभाठा मैदान के पास स्थित तालाब की है, जहाँ नयापारा शिव विहार कॉलोनी के चार बच्चे छुट्टी का दिन बिताने नहाने पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चारों बच्चे तालाब की पचरी के पास नहा रहे थे। पानी ऊपर से उथला था, लेकिन कुछ ही कदम आगे बढ़ते ही अचानक गहराई थी। इसी बीच एक बच्चे का पैर फिसला और वह भीतर खिंच गया। उसे बचाने के प्रयास में बाकी तीन बच्चे भी गहरे हिस्से की ओर बढ़ गए और देखते ही देखते सभी चार बच्चे पानी में संघर्ष करने लगे। तीन बच्चों ने पूरी कोशिश की कि वे पानी की सतह पर टिके रहें। इस संघर्ष में दो बच्चे प्रियांशु और उदयन किसी तरह तैरकर बाहर निकलने में सफल रहे। लेकिन 14 वर्षीय पवन और 13 वर्षीय साईं राव गहराई में फंस गए और कुछ ही क्षणों में पानी में समा गए। हादसे की खबर फैलते ही आसपास के लोग तालाब किनारे इकट्ठा हो गए।

रायपुर में सब्जीवाले ने महिला से 5.40 लाख ठगे
सामाजिक संस्था का मेंबर बनाने का झांसा दिया, रकम वसूलकर बोला-कोर्ट से उठवा लूंगा

रायपुर, 16 नवम्बर 2025। रायपुर के संतोषी नगर की रहने वाली एक महिला से 5.40 लाख की ठगी हुई है। एक सामाजिक संस्था का सदस्य बनाकर मुनाफा दिलाने के बहाने सब्जी बेचने वाले ने महिला से पैसे ले लिए। जब महिला ने पैसे वापस मांगे तो आरोपी उसे धमकाने लगा और कहा कि वह उसे कोर्ट से उठवा लेगा। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का हैं। महिला ने आरोपी पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है।

मोती नगर में सब्जी का ठेला लगाता था आरोपी : संतोषी नगर की रहने वाली पुष्पा नामदेव उर्फ डॉली नामदेव (38 वर्ष) ने पुलिस को दी जानकारी में बताया कि वह गृहिणी हैं और नौकरी करती थीं। साल 2024 में उनकी पहचान राजू बाघ नामक व्यक्ति से हुई, जो मोती नगर में सब्जी का ठेला लगाता था। राजू बाघ ने खुद को अपना सहारा जन सेवा कल्याण समिति नामक संस्था का संचालक बताया। कहा कि संस्था स्किल डेवलपमेंट और रोजगार उपलब्ध कराने का काम करती है।

मेंबरशिप का दिया बहाना : राजू बाघ ने महिला को संस्था का सदस्य बनने और मुनाफे में हिस्सा देने का लालच दिया। झांसे में आकर पुष्पा नामदेव ने मार्च और अप्रैल 2024 के बीच करीब 7 लाख रुपए नगद और ऑनलाइन माध्यम से राजू बाघ को दिए। कुछ समय तक आरोपी ने लाभ के नाम पर थोड़ी रकम लौटाई, जिससे महिला को भरोसा हो गया उसने और पैसा लगाया। लेकिन बाद में आरोपी अचानक घर खाली कर फरार हो गया और फोन भी बंद कर दिया। जब महिला ने जांच की, तो पता चला कि संस्था का कोई वास्तविक काम नहीं है और पूरा मामला ठगी से जुड़ा है। महिला का कहना है कि दिसंबर 2024 में उनके और राजू बाघ के बीच लिखित एग्रीमेंट हुआ था, जिसमें आरोपी ने 5.40 लाख रुपए वापस लौटाने की बात की लेकिन अब तक राशि वापस नहीं की गई है।

आरोपी के खिलाफ एक्शन की मांग

रकम मांगने पर आरोपी ने महिला को अश्लील गालियां देने, कोर्ट जाने पर उठवा देने और जान से मरवाने की धमकी दी। पीड़िता का आरोप है कि राजू बाघ ने न केवल उनसे बल्कि अन्य लोगों से भी इसी तरह ठगी की है।

मुंबई जाना होगा आसान...रायपुर से माया नगरी के लिए इस तारीख से शुरू होगी नई फ्लाइट, रोज 10 उड़ती हैं विमानें

रायपुर, 16 नवम्बर 2025। रायपुर एयरपोर्ट अब लगभग हर राज्य से जुड़ता जा रहा है। इस बीच, नए साल में रायपुर -मुंबई के बीच सफर करने वाले यात्रियों को नई फ्लाइट का विकल्प मिलेगा। दोनों शहरों के बीच यात्रियों की काफी संख्या को देखते हुए इंडिगो एयरलाइंस एक फरवरी से चौथी उड़ान शुरू करने की तैयारी में है। यह फ्लाइट दोपहर के शेड्यूल में आवाजाही करेगी। चौथी फ्लाइट आने के बाद यात्रियों का सफर और आसान होने की उम्मीद है। रायपुर से मुंबई के बीच रोजाना लगभग 10 इंडिगो फ्लाइट्स चलती हैं। रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से विभिन्न शहरों से संचालित होने वाली फ्लाइटों में दिल्ली, मुंबई की डिमांड काफी रहती है। दिल्ली के लिए अब नियमित रूप से आठ उड़ान का संचालन किया जाता है। अब मुंबई-रायपुर के बीच नई उड़ान शुरू होगी। विमानन अधिकारियों के अनुसार यह समय व्यापारी, छात्रों और मेडिकल ट्रैवलर्स के लिए बेहद फायदेमंद रहेगा। अभी मुंबई रायपुर के बीच निजी एयरलाइंस अपनी तीन उड़ानों का संचालन करता है। सामान्य दिनों में भी दोनों शहरों के बीच का किराया 10 हजार से अधिक होता है और पीक सीजन में तो इसका किराया दो से ढाई गुना तक पहुंच जाता है। यात्रियों की संख्या और डिमांड को ध्यान में रखते हुए इंडिगो ने रायपुर से नवी मुंबई के बीच एक फरवरी से चौथी उड़ान शुरू करने की घोषणा की है। यह फ्लाइट दोपहर के शेड्यूल में आवाजाही करेगी। दरअसल, दो साल पहले एयर इंडिया की मुंबई-रायपुर-विशाखापट्नम की उड़ान बंद होने के बाद दोनों शहरों के बीच का चौथा संपर्क टूटा था।

राज्य में अवैध परिवहन किए जा रहे 19 हजार 320 क्विंटल धान जब्त

रायपुर, 16 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारम्भ होने के पूर्व से ही प्रदेश में अवैध परिवहन से आने वाले धान की कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पिछले एक नवंबर से 16 नवंबर तक लगभग 19 हजार 320 क्विंटल धान जब्त किया गया है। इस बार मार्कफेड द्वारा राज्य में अवैध परिवहन के जरिए अन्य राज्यों से छत्तीसगढ़ आने वाले धान को रोकने के लिए राज्य के सीमावर्ती जिलों में चेकपोस्ट और कलेक्टर की अध्यक्षता में टॉस्कफोर्स भी बनाए गए हैं। इसके साथ ही मार्कफेड में स्थापित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था की सतत् निगरानी की जा रही है। मार्कफेड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले एक नवंबर से 16 नवंबर के अवधि में सीमावर्ती विभिन्न जिलों से छत्तीसगढ़ राज्य में अवैध परिवहन के माध्यम से आने वाले धान में सर्वाधिक महासमुंद जिले में 4266 क्विंटल धान जब्त किया गया है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स, नमनाकला, संत हरकेवल विद्यापीठ के पास, अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050, डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001, 98265-32611, Email:ghatatighatana11@ gmail.com, Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)